● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 19, पृष्ठ : 08, सीधी, रविवार, 16 फरवरी 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

महाराष्ट्र में भी बनेंगे लव जिहाद के खिलाफ कानून 5

ऋचा घोष की तूफानी पारी, आरसीबी जीती 6

पीएम के नेतृत्व में पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति का हो रहा है प्रसार: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 में हुए सम्मिलित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा श्री महाकाल की नगरी, भारत एवं विश्व का एक प्रमुख आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र उज्जैन, यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव-2025 आयोजन की मेजबानी कर रहा है। यह भूमि वेदों, पुराणों और योग परंपरा से समृद्ध रही है, और आज हम सभी यहां इसी परंपरा को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने हेतु एकत्रित हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह दौर युद्ध का नहीं, शांति का है। उनका यह विचार आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता को इंगित करता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह युग संभवत: सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण रहा है, जहाँ युद्ध, गृहयुद्ध, आतंकवाद और आपसी वैमनस्यता ने विश्व को तनावग्रस्त बना दिया है। हमें विचार करना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कैसी

दुनिया सौंप रहे हैं- एक विभाजित, हिंसा-ग्रस्त समाज या शांति, समरसता और आध्यात्मिक चेतना से ओत-प्रोत एक संसार? सनातनी मूल्यों से प्रेरित यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव जैसे आयोजन संपूर्ण मानवता के कल्याण एवं विश्व शांति के लिए एक प्रभावी मंच हो सकती हैं। यूनाइटेड कॉन्शसनेस ग्लोबल कॉन्क्लेव एकात्म चेतना के माध्यम से शांति की संस्कृति की स्थापना होगी। इस मंच पर 21 से अधिक देशों के विद्वान, संत, मनीषी, आध्यात्मिक शिक्षक, कोच और विचारक एकत्रित हुए हैं, जो इस विषय पर अपने विचार साझा कर रहे है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात कालिदास अकादमी उज्जैन में आयोजित यूनाइटेड कॉन्शसनेस कॉनक्लेव- 2025 में संबोधित करते हुए कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पंचमहाभूत से बना है हमारा शरीर। प्रकृति में जो पांच तत्व मौजूद हैं, वही हमारे शरीर में भी विद्यमान है। इस सृष्टि मे जीवन की उत्पत्ति सर्वप्रथम जल में ही हुई थी, इसीलिए जल के प्रति हम सब जीवों में एक स्वाभाविक सी ललक रहती है। जल हमें सुकून देता है। स्नान से हमें मानसिक शांति प्राप्त होती है साथ ही शरीर में स्फूर्ति का संचार होता है। जल स्रोत नदी, समुद्र, तालाब जैसे हमें शुरू से ही आकर्षित करते आ रहे हैं। आज कार्यक्रम में संसार के विभिन्न जल स्रोतों से जल प्राप्त हुआ है। जल विश्व को सनातन संस्कृति की परंपरा अनुसार एक सूत्र में पिरोता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय संस्कृति का पूरी दुनिया में जोर-शोर से हो रहा हैं। वर्तमान में प्रयागराज में महाकुंभ पर्व का आयोजन किया जा रहा है इसमें स्नान कर देश विदेश से आए श्रद्धालु पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की इस पवित्र भूमि पर एकात्मक चिंतन के इस शिविर में 21 से अधिक देशों के डेलिगेट्स यहां आए हैं। यहां पर भी सनातन परंपरा के चिंतन को लेकर विचार विमर्श किया जा रहा है। उज्जैन में वैचारिक महाकुंभ का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कॉन्क्लेव आयोजन पर शुभकामनाएं दी।

यह कॉन्क्लेव केवल संवाद या चर्चा का मंच नहीं है, बल्कि यह गहन विमर्श का एक केंद्र बनेगा, जिससे न केवल ज्ञान का विस्तार होगा, बल्कि मानवता के कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

महाकुंभ में फिर भीषण आग, पंडाल जले

प्रयागराज। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेले के सेक्टर 18 और 19 के बीच शनिवार शाम 6 बजे श्रीराम चरित मानस सेवा प्रवचन मंडल के शिविर के पंडालों में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग लगने की वजह का भी अभी तक पता नहीं चल सका है। मेले में जबरदस्त भीड़ की वजह से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचने में देरी हुई। नोटों के बैग भी जले चश्मदीद ने बताया कि श्रीराम चरित मानस सेवा प्रवचन मंडल के शिविर में भी आग लगी। यहां से सभी लोग जा चुके थे। कुर्सी, टेंट, खाने का सामान जल गया। शिविर में नोटों के 3 बैग रखे थे, बताया जा रहा है कि एक बैग सुरक्षित रख लिया गया है। दो बैग के जलने की आशंका है।

बोडो समुदाय को सशक्त बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहा एनडीए: पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में आंदोलन के केंद्र रहे कोकराझार में 17 फरवरी को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्र और असम दोनों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकारें बोडो समुदाय को सशक्त बनाने और बोडो आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने विकास के बारे में जानकारी दी और कहा कि सत्र का एक प्रमुख एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा। इस पल को अपने राजनीतिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए भी धन्यवाद दिया है। सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 17 फरवरी को असम ऐतिहासिक

मील का पत्थर हासिल करेगा, क्योंकि कोकराझार, जो कभी बोडोलैंड आंदोलन का केंद्र था, एक दिवसीय विशेष विधानसभा सत्र आयोजित करेगा। मुख्य एजेंडा छठी अनुसूची क्षेत्रों के प्रशासन को मजबूत करना होगा, जिसमें राज्यपाल का अभिभाषण एक प्रमुख आकर्षण होगा। उन्होंने कहा, यह माननीय प्रधानमंत्री के असम के प्रति अटूट प्रेम और माननीय गृह मंत्री के मार्गदर्शन से संभव हुआ है। उनका नेतृत्व शांति, स्थिरता और प्रगति की ओर हमारी यात्रा को आगे बढ़ाता रहेगा। मुख्यमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने इसका स्वागत किया और कोकराझार की अपनी यात्रा को भी याद किया।

लोकतंत्र ने दुनिया को बहुत कुछ दिया: जयशंकर

म्यूनिख। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस की एक बैठक में शामिल हुए। बैठक में विदेश मंत्री ने भारत और दुनिया में लोकतंत्र की अहमियत पर बात की और कहा कि लोकतंत्र ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है। म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में लोकतंत्र विषय पर आयोजित एक बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, नॉर्वे की प्रधानमंत्री और अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन और वारसा के मेयर रफाल ट्रासकोव्सक बतौर पैनलिस्ट शामिल हुए।

बैठक में कुछ पैनलिस्ट ने कहा कि दुनिया में लोकतंत्र का भविष्य खतरे में है। हालांकि भारतीय

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि मैं लोकतंत्र को लेकर आशावान हूं। मैं अभी अपने राज्य के चुनाव में हिस्सा लेकर आया हूं। बीते साल हमारे देश में राष्ट्रीय चुनाव हुए और कुल मतदाताओं में से करीब दो तिहाई ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस दौरान डॉ. जयशंकर ने मतदान के दौरान अपनी ऊंगली पर लगी स्याही दिखाई। डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि चुनाव के नतीजों को लेकर कोई मतभेद नहीं है और मतदान शुरू होने के बाद से अब 20 फीसदी अधिक मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं।

जयशंकर ने कहा कि जो कहा जा रहा है कि दुनियाभर में लोकतंत्र खतरे में है, लेकिन मेरा ऐसा मानना नहीं है। लोकतंत्र अच्छे से काम कर रहा है और लोकतंत्र ने दुनिया को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने माना कि लोकतंत्र के लिए चुनौतियां भी हैं और अलग-अलग देशों में हालात अलग हैं, लेकिन कई देशों में लोकतंत्र अच्छे से काम कर रहा है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने आजादी के बाद ही लोकतंत्र के मॉडल को अपनाया।

आतंकवादी संगठन से संबंध के आरोप में तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को तीन सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। इनमें एक पुलिस कांस्टेबल, एक शिक्षक और वन विभाग का कर्मचारी शामिल हैं। उपराज्यपाल ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311(2)(C) के तहत इन कर्मचारियों को बर्खास्त किया क्योंकि जांच में यह पाया गया कि इनके आतंकवादी संगठनों से संबंध थे। यह कार्रवाई उपराज्यपाल द्वारा सुरक्षा समीक्षा बैठक के अगले दिन की गई थी जिसमें उन्होंने आतंकियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ अभियान का निर्देश दिया था।

राहुल गांधी का सरकार पर हमला

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा तो है, लेकिन युवाओं को रोजगार देने के लिए नई तकनीक में औद्योगिक कौशल विकसित करने की जरूरत है। इसके लिए उसे मजबूत उत्पादन आधार की जरूरत है। इसके लिए खोखले शब्दों की जरूरत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के युवाओं के लिए आगे आने और यह सुनिश्चित करने का समय है कि भारत पीछे न छूटे।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मौजूदा वक्त में युद्ध

क्षेत्र और अन्य जगहों पर ड्रोन की उपयोगिता का जिक्र किया। उन्होंने शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी क्रांति को समझने में असफल रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ड्रोन और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी को लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया।

उन्होंने कहा, ड्रोन ने संचार के लिए बैटरी, मोटर और ऑप्टिक्स के संयोजन से युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ड्रोन सिर्फ प्रौद्योगिकी नहीं हैं, बल्कि वे एक मजबूत औद्योगिक प्रणाली द्वारा संचालित निचले स्तर के नवाचार हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र को ही बदल दिया है। टैंक, तोपखाने और यहां तक कि विमान वाहक को कम प्रासंगिक बना दिया है।

राहुल ने कहा कि यह क्रांति सिर्फ युद्ध के बारे में नहीं है- यह उद्योग, एआई (कृत्रिम मेधा) और प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी के बारे में है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं, जबकि वह टेलीप्रॉम्प्टर की मदद से भाषण देते हैं।

महाशिवरात्रि के बाद भी संगम क्षेत्र में रहेंगी सुविधाए

प्रयागराज। महाशिवरात्रि के बाद भी संगम क्षेत्र में सारी सुविधाएं रहेंगी। घाटों पर स्नान, सुरक्षा, चकर्ड प्लेट आदि सुविधाएं रहेंगी। नाव से संगम स्थल पर भी जाकर स्नान कर सकेंगे। हालांकि, महाकुंभ की समाप्ति के बाद पंडाल, प्रदर्शनी, विशेष जेटी आदि आकर्षण नहीं रहेंगे। महाकुंभ के बाद भी श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के आने की उम्मीद है। इसे देखते व्यापक स्तर पर सुविधाएं बहाल रखने का निर्णय लिया गया है। माघी पूर्णिमा स्नान पर्व के बाद भी स्नानार्थियों की भीड़ चली आ रही है। मेला प्रशासन के आंकड़ों के अनुसार शनिवार को तो दिन में 12 बजे तक ही करीब 75 लाख लोग स्नान कर चुके थे।

नौसेना की जांबाज महिला अफसरों ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। नाविक सागर अभियान -2 के तहत दुनिया का चक्कर काटने निकलीं भारतीय नौसेना की दो जांबाज महिला अफसरों लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा ए ने इतिहास रच दिया है। दरअसल दोनों महिला अफसरों ने अपनी नौका आईएनएसवी तारिणी से केप होर्न को पार किया। भारतीय नौसेना ने यह जानकारी दी। नौसेना की अफसरों ने ड्रेक पैसेज से गुजरते हुए केप होर्न को पार किया। केप होर्न, दक्षिण अमेरिकी देशों के लिए जाने वाले खुला समुद्री रास्ता है। केप होर्न का इलाका अपनी खतरनाक और तेज हवाओं, तेज लहरों और खराब मौसम की वजह से सबसे खतरनाक समुद्री रास्ता माना जाता है। जो नाविक केप होर्न इलाके के समुद्री इलाके को पार करते हैं, उन्हें सम्मानपूर्वक केप होर्नर्स कहा जाता है। अब इस विशेष समूह में भारतीय नौसेना की ये दो महिला अफसर भी शामिल हो गई हैं।

शिवराज के बेटे की शादी में भोपाल पहुंचे दिग्गज नेता

भोपाल। केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के छोटे बेटे कुणाल का शुक्रवार को भोपाल में विवाह हुआ। इस समारोह में शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा और विपक्ष के अनेक बड़े नेता भोपाल पहुंचे और उन्होंने नवयुगल को शुभाशीर्वाद प्रदान किया।

शिवराज के छोटे बेटे कुणाल सिंह 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे के दिन रिद्धि के साथ शादी के पवित्र बंधन में बंध गए। उनकी

शादी भोपाल के प्रसिद्ध मैरिज गार्डन में हुई। शादी का कार्यक्रम रात आठ बजे से शुरू हुआ और देर रात तक चला। इष्टदेव की कृपा, पूर्वजों के आशीर्वाद और सभी स्नेहीजनों की मंगलकामनाओं से आज बेटे कुणाल और रिद्धि की बारात,वरमाला एवं आशीर्वाद समारोह सानंद संपन्न हुआ। रिद्धि बहू नहीं, बेटी बनकर घर आ रही है। अपने परिवार में उसका स्वागत करते हुए दिल गर्व और खुशी से भर गया है। इससे पहले गुरुवार को कुणाल और रिद्धि की शादी का एक कार्यक्रम हुआ था। इसकी तस्वीर शिवराज सिंह चौहान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर की थी। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था- रिद्धि हमारे घर में बहू नहीं, बेटी के रूप में आ रही है। सोशल मीडिया पर लोग प्रदेश और देशभर से शुभकामनाएं के कमेंट्स भेज रहे हैं। राज्यपाल मंगू भाई पटेल, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, सीएम डॉ. मोहन यादव, पूर्व सीएम कमलनाथ, पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश सरकार के अनेक मंत्री, विधायक और सांसद आशीर्वाद समारोह में शामिल हुए।

दिल्ली में आप के 3 पार्षद भाजपा में शामिल हुए

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव में जीत के बाद अब दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन में भी भाजपा की सरकार बन सकती है। आम आदमी पार्टी के 3 पार्षद शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने वालों में एंड्रयूज गंज से पार्षद अनीता बसोया, आरके पुरम से पार्षद धर्मवीर और चपराना से पार्षद निखिल शामिल हैं। भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उन्हें पार्टी में शामिल करवाया।

इनके अलावा आप के 4 नेताओं ने भी भाजपा जॉइन की। संदीप बसोया अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। वे क्र से नई दिल्ली के जिला अध्यक्ष रह चुके हैं। दिल्ली नगर निगम में कुल 250 पार्षद की सीटें हैं। इनमें आप के 121 पार्षदों में से 3 ने विधानसभा चुनाव जीता, यानी 118 पार्षद बचे। भाजपा के 120 पार्षदों में से 8 विधानसभा चुनाव जीते, यानी 112 बचे। अब 3 पार्षद के दलबदल के बाद आप का आंकड़ा 115 और भाजपा का आंकड़ा 115 यानी बराबर हो गया है। अप्रैल में एमसीडी के चुनाव होंगे दिल्ली म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर का चुनाव इसी साल अप्रैल में होने वाला है।

विवाद समाधान का रचनात्मक तरीका है मध्यस्थता: सीजेआई

मुंबई। भारत के मुख्य न्यायाधीश सीजेआई संजीव खन्ना ने शनिवार को कहा कि सभी विवाद न्यायालय और मुकदमेबाजी के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं। उन्होंने मध्यस्थता को विवाद समाधान का एक प्रभावी तरीका बताया। बता दें कि सीजेआई नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एमएनएलयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में वहां उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहें थे। सीजेआई ने आगे कहा कि हर मामले को सिर्फ कानूनी दृष्टिकोण से नहीं बल्कि मानवता की कहानी के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कानूनी सहायता प्रणाली दुनिया की सबसे मजबूत प्रणालियों में से एक है, जहां सभी हितधारकों को मदद मिलती है।

पूर्व सीएम केजरीवाल के बंगले में रेनोवेशन की जांच होगी

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के 6 फ्लैग स्टाफ रोड स्थित बंगले में रेनोवेशन की जांच होगी। सेंट्रल विजिलेंस कमीशन ने 13 फरवरी को जांच के आदेश जारी किए हैं। आदेश सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट की रिपोर्ट सामने आने के बाद दिया।

रिपोर्ट में कहा गया कि 40 हजार वर्ग गज (8 एकड़) में बने बंगले के निर्माण में कई नियमों को तोड़ा गया। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने आरोप लगाया था कि बंगले के रेनोवेशन में 45 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए हैं। भाजपा ने बंगले को केजरीवाल का शीशमहल नाम दिया है। केजरीवाल यहां 2015 से 2024 तक रहे। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उप-राज्यपाल वीके सक्सेना से शिकायत की थी कि केजरीवाल का बंगला 4 सरकारी संपत्तियों को गलत तरीके से मिलाकर बनाया गया है। इस प्रोसेस को रद्द कर दिया जाना चाहिए। भाजपा का मुख्यमंत्री शपथ के बाद इस बंगले में नहीं रहेगा। भाजपा ने जारी किया था वीडियो, शीशमहल कहा 9 दिसंबर 2024 को बीजेपी ने एक वीडियो जारी किया, जिसमें दिल्ली के सीएम हाउस का आलीशान इंटीरियर दिखाया गया। बीजेपी ने केजरीवाल पर तंज कसा, वे कहते थे कि सरकारी घर नहीं लूंगा, लेकिन रहने के लिए 7 स्टार रिसॉर्ट बना डाला।

सिर्फ सुर्खियां बटोरने लगा रहे दूसरों पर आरोप: अग्रवाल

भोपाल। मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग के भ्रष्टाचार को लेकर सियासत गरमाई हुई है। आरटीओ के करोड़पति पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके सहयोगियों से ईडी पूछताछ कर रही है। इस बीच कांग्रेस विधायक और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार पर सौरभ शर्मा को बचाने का आरोप लगाया। साथ ही तत्कालीन परिवहन मंत्री और वर्तमान में मोहन सारकार के मंत्री गोविंद सिंह राजपूत पर गंभीर आरोप लगाए है। इन आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है। प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बयान देते हुए कहा कि कांग्रेस कूटरचित दस्तावेज पेश कर गोविंद सिंह राजपूत पर झूठे आरोप लगा

रही है। उन्होंने कहा कि यदि उनके पास दस्तावेज सही है तो उनको जांच एजेंसी को देना चाहिए। साथ ही कोर्ट में भी जाना चाहिए। अग्रवाल ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सस्ती लोकप्रियता के लिए यह आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह कांग्रेस नेता पर भी आरोप लगा रहे हैं। भाजपा मीडिया प्रभारी ने कहा कि सिंघार पर कई मामले है और वह खुद आरोपों में घिरे हुए हैं, वह दूसरे पर आरोप लगा रहे है। उन्होंने कहा कि 15 माह की कमलनाथ सरकार में उमंग सिंघार पर अपने ही विभाग में खरीद-फरोख्त, ट्रांसफर-पोस्टिंग जैसे अनेकों मामलों में करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार के आरोप है। सिंघार पर झारखंड के प्रभारी सचिव के तौर पर टिकट बेचने के आरोप लगे हैं, जो उनके कांग्रेसियों ने भी लगाएं और सिद्ध भी हुए। अग्रवाल ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को ब्लैकमेलर, शराब माफिया और रेत माफिया उमंग सिंघार ने ही बताया था और आज उनके साथ ही मंच साझा करते हैं।

आशीष अग्रवाल ने कहा कि वह निजी टिप्पणियां करने में विश्वास नहीं रखते पर उमंग सिंघार को याद रहे कि उन पर विभिन्न महिलाओं ने समय-समय पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। एक महिला ने तो उनके स्वयं निज निवास में आत्महत्या की थी यह समझना होगा कि वह कितनी प्रताड़ित रही होगी। कई महिलाओं ने उन पर और आरोप लगाए और आज सिर्फ सुर्खियां बटोरने के लिए ऐसे उमंग सिंघार जी दूसरों पर आरोप लगाते है तो मुझे वह शेर याद आता है कि - चेहरे पर नकाब और लहजे में बदजुबानी लिए फिरते हैं, जिनके खुद के बही-खाते बिगडे हों, वो दूसरों का हिसाब लिए फिरते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसकांग्रेस भ्रष्टाचार का पर्याय है, पर्यायवाची है। सी फॉर कांग्रेस - सी फॉर करप्शन और कांग्रेस के प्रथम परिवार की जो जितने जी हैं राहुल जी, सोनिया जी, प्रियंका जी और जीजा जी यह सभी विभिन्न गंभीर भ्रष्टाचार के मामलों में या तो अदालत से जमानत पर रिहा है। या रोज ईडी और ईओडब्यूं के चक्कर लगाते हैं।

अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेस की पॉलिसी है।

गड़ाखाड़ आगजनी की घटी घटना का कौन है जिम्मेदार?

कंपनी प्रबंधन को घटना के पूर्व हो गया था अंदेशा, फिर भी समय से उपलब्ध नही कराया गया पुलिस बल, सीएम तक पहुंची बात

सिंगरौली

सिंगरौली के इतिहास में गड़ाखाड़ की घटना काला दिन साबित हुई है। इस आगजनी की घटी घटना का दोषी कौन है? घटना के पूर्व ही कंपनी प्रबंधन को अंदेशा हो गया था। पुलिस बल उपलब्ध कराने की गुहार लगाई गई थी। फिर बल समय से उपलब्ध नही कराया गया। पुलिस इस मामले में फैल हो गई। पूरे घटनाक्रम की गतिविधि सीएम मोहन यादव तक पहुंची चुकी है।

अदाणी पावर प्लांट क्षेत्र गड़ाखाड़ में हुये बवाल सड़क दुर्घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों के द्वारा कंपनी के सिफ्ट बसों व कोल वाहनों में आग लगाना कहीं न कहीं सिंगरौली सुलग रही है। अदाणी कंपनी प्रबंधन को सड़क दुर्घटना में मौत की खबर के बाद जब गड़ाखाड़ में भीड़ एकत्रित होने लगी तो एहसास हो गया कि बवाल हो सकता है। प्रबंधन ने तुरंत एक्सन में आया। एक साथ अपने वर्करों को सिफ्ट बसों में बैठाकर टाउनशिप बैढ़न के लिए रवाना किया गया। जैसे ही कंपनी की कई बसें गड़ाखाड़ पहुंची तो पहले से ही चौराहे पर आक्रोशित भीड़ ने बसों में बैठे कर्मचारियों के साथ मारपीट कर खदेड़ने लगे। अपनी जान बचाते हुये वर्कर बस से उतर कर भागने लगे। बताया जाता है कि तकरीबन आधा दर्जन बस और चार हाईवा वाहन धू-धूकर जल गये। सड़क हादसे में युवको की मौत और आगजनी की घटना की बीच 4 घंटे का अंतराल रहा। यदि सड़क हादसा होने के बाद ही पुलिस शव को उठाकर इस मामले में बे-फिक्र नही होती और एक्सन में आ जाती और इस मामले को गंभीरता से लेती तो शायद इस आगजनी घटना को रोका जा सकता था। इतना ही नही पुलिस की लापरवाही तब हद हो गई जब कंपनी प्रबंधन 100 पुलिस वाहन व पुलिस बल की मांग करती रही। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन मामले को लेकर संजीदगी नही दिखाई। नतीजा आक्रोशित भीड़ ने न केवल पुलिस कर्मियों और कंपनी के कर्मचारियों के साथ बदसलूकी, बल्कि कई वाहनों को भी फूंक दिये।

ट्रांसपोर्टरों का नेताओं से जुड़ा है तार

बताया जाता है कि अदाणी कंपनी में कोल ट्रांसपोर्टर का कार्य करने वाले कारोबारियों का जनप्रतिनिधियों से तार जुड़ा हुआ है। हालात भी कुछ यही बया कर रहे हैं। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने मृतको के परिजनों को बिना बुलाए शव को लेकर जिला अस्पताल पहुंच गये। ऐसा नही है कि इस तरह का यह पहला सड़क हादसा है। पहले भी हुये हैं। लेकिन जब सड़क हादसे होते हैं तो परिजनों को बुलाया जाता है। उसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाता है। लेकिन इस सड़क हादसे में पुलिस ने मानवीयता को दरकिनार कर दण्डे के हनक में शव को सिर्फ इस लिये उठाया कि जिस ट्रांसपोर्टर का वाहन था वह जनप्रतिनिधि से जुड़ा हुआ था और पुलिस उसे खुश करने के लिए खुद ही जिम्मेदारी ले ली और फेल हो गई। हद तो तब हो गई जब स्थल पर जिम्मेदार अधिकारी 5 घंटे बाद मौके पर पहुंच रहे हैं। इस सब की खबर सीएम तक पहुंच चुकी है।

डेंजर जोन पर पेट्रोलिंग क्यों नही?

करीब 8 साल पहले तत्कालीन कलेक्टर व एसपी ने टेक्निकल टीम से भागौलिक स्थिति को हैवी वाहन चलने के लिए उपयुक्त नही पाया था। उस दौरान इंजीनियरों ने रजमिलान से लेकर गड़ाखाड़, सुहिरा, अमिलिया इलाका डेंजर जोन बताया था। लेकिन 8 वर्ष बीत गये इसके बावजूद जिले के जिम्मेदार अधिकारी अमिलिया सड़क मार्ग को लेकर न तो कोई नई रूप रेखा बनाई। यही वजह है कि हादसे पर विराम नही लग रहा है। इन स्थलों पर कंपनी प्रबंधन पुलिस की पेट्रोलिंग की मांग कई बार कर चुका है। लेकिन पुलिस के जिम्मेदार अधिकारी डेंजर जोन एरिया पर पेट्रोलिंग नही कराते हैं। जबकि यातायात व्यवस्था को लेकर स्पीड गर्वनर का पालन और सांकेतिक चिन्ह जैसे अहम पहलू हैं। इसपर डीएमएफ फण्ड खर्च होना चाहिए। लेकिन अन्य मदों में खर्च कर कमीशन में बदनाम हो रहे हैं।

दहशत में पावर प्लांट के कर्मचारी

सड़क हादसे में दो की मौत और हुई आगजनी की घटना के बाद अदाणी कंपनी के कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। चर्चा है कि आगजनी के घटना के बाद कंपनी प्रबंधन आनन-फानन में सिफ्ट खत्म होने वाले कर्मचारियों को बसों से टाउनशिप बैढ़न के लिए रवाना किया। जैसे ही बस गड़ाखाड़ पहुंची आक्रोशित भीड़ ने बस को रोकवा लिये। भीड़ का रौद्र रूप देखकर बस चालक कर्मचारियों को बस के अन्दर ही छोड़ अपने गेट से बाहर खुद गया। हाईड्रोलिक बस होने से मुख्य गेट नही खुला तो वर्करों ने खिड़की का शीशा तोड़कर अपनी जान बचाते हुये भागना शुरू किये। चर्चा है कि इस दौरान आधा सैकड़ा लोगों के साथ गुस्साएं लोगों ने मारपीट करते हुये जमकर बवाल काटा। ग्रामीणों के तेवर देख कर्मचारी दहशत में हैं। बताया जा रहा है कि घटना के बाद जो कर्मचारी कंपनी में काम कर रहे थे। उन्हें वही रहने-खाने की व्यवस्था दी गई है। ताकी कर्मचारियों के साथ किसी प्रकार की कोई अनहोनी न हो। चर्चा है कि आज पुलिस की देख-रेख में सिर्फ एक बस कर्मचारियों को लेकर गई है।

पीएम मोदी के इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी सिंगरौली का उठा सकते हैं मुद्दा

सिंगरौली अदाणी घटना के सुरक्षा की करेंगे जिक्र, सकते में जिले के प्रशासनिक अधिकारी

सिंगरौली। प्रधानमंत्री के ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आगामी 24-25 फरवरी को भोपाल में होने जा रहा है। इस समिट में पीएम मोदी के समक्ष एशिया के कई बड़े उद्योगपतियों सहित गौतम अदाणी भी शिरकत करेंगे। इस इन्वेस्टर्स समिट में अदाणी प्रधानमंत्री के समक्ष सिंगरौली अदाणी कंपनी में हुई आगजनी की घटना के सुरक्षा पर सवाल उठा सकते हैं। गौरतलब हो कि एशिया के दूसरे नम्बर के सबसे उद्योगपति गौतम अदाणी की कंपनी सिंगरौली के देवसर विकास खण्ड क्षेत्र में कोल माईन्स का कार्य कर रही है। कंपनी क्षेत्र में आये दिन कोई न कोई घटनाएं हो रही हैं। जहां सुरक्षा व्यवस्था पर कई बार सवाल उठाएं जा चुके हैं। झलरी में कई महीनों तक विस्थापितों के द्वारा धरना प्रदर्शन, चक्का जाम किया था। जहां कंपनी को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। वही बीते शुक्रवार को अदाणी पावर प्लांट बंधौरा के गड़ाखाड़ में हुये कोल वाहन से दो लोगों की जान चली गई। इस घटना के बाद

स्थानीय गुस्साएं ग्रामीणों ने सड़क पर बवाल कर दिया। देखते ही देखते अदाणी पावर प्लांट के एक के बाद एक सिफ्ट बसों को आग के हवाले कर दिया। बताया जाता है कि देखते ही देखते आधा दर्जन के करीब बसों को आग लगा दी गई। बसें धू-धूकर जल गई। ग्रामीणों का गुस्सा यहीं नही रूका। कोयला वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति तनावपूर्ण हो गई। अदाणी कंपनी को भारी क्षति उठानी पड़ी। कंपनी के वर्करों के साथ जहां मारपीट हुई वही कर्मचारी इस घटना से दहशत में हैं। सिंगरौली अदाणी कंपनी में घटी घटना आग की तरह देश-प्रदेश में फैल गई। कहीं न कहीं प्रशासनिक अधिकारियों की लचर कार्यप्रणाली का नतीजा है कि इतनी बड़ी घटना लापरवाही के चलते घटी है। अगर समय रहते प्रशासनिक अमला चाहता तो घटना को रोका जा सकता था। इस मुद्दे को गौतम अदाणी भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में प्रधानमंत्री के समक्ष उठा सकते हैं। कहीं न कहीं सुरक्षा व्यवस्था पर सवालियां निशान खड़ा कर सकते हैं।

दस्तक अभियान द्वितीय चरण का आयोजन चलेगा एक माह

18 फरवरी से 18 मार्च तक किया जाएगा आयोजन

सिंगरौली

वर्ष 2024-25 में दस्तक अभियान द्वितीय चरण का आयोजन दिनांक 18 फरवरी से 18 मार्च 2025 के मध्य किया जाएगा। इस अवधि में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग के मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा निम्न सेवाऐं सुनिश्चित की जायेंगी। 9 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों का विटामिन-ए अनुपूरण, 6 माह से 5 वर्ष के चिन्हांकित एनीमिक बच्चों की डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर द्वारा फालोअप जांच एवं प्रबंधन किया जाएगा। उक्त अभियान में जिले के लक्षित 137804 बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलायी जायेगी तथा 45043 बच्चों का डिजिटल हीमोग्लोबिनोमीटर के द्वारा एनीमिया की जांच की जायेगी। वही जिले के समस्त 227 उप स्वास्थ्य केन्द्रों में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मंगलवार एवं शुक्रवार को बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलायी जायेगी एवं मॉपअप दिवस ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के अतिरिक्त दो दिवस में घर-घर छूटे हुए बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलायी जायेगी तथा चिन्हित बच्चों का हीमोग्लोबिनोमीटर से एनीमिया की जांच की जायेगी। दस्तक अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग व महिला बाल विकास पूरी तरह से तैयारी में जुट गया है। ताकी जिले के शहरी हो या ग्रामीणों सुदुर अंचल में घर-घर जाकर इस अभियान को सफल बनाने के लिए जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया जा रहा है। लक्ष्य है कि इस अभियान से एक भी बच्चा छुटने न पाये।

गंदगी का अंबार, भगत सिंह कॉलोनी में जगह-जगह लगा गंदगी का ढेर

वार्ड क्रमांक 9 में फैली दुर्गंध, लोगों की सेहत को खतरा, सिटाडेल और नोडल अधिकारी कर रहे खेल

सिंगरौली। नगर पालिक निगम भले ही हर महीने करोड़ों रुपए स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहा है। लेकिन क्षेत्र में गंदगी का अंबार है। इससे लोगों की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर में जगह-जगह गंदगी के ढेर नपानि की स्वच्छता अभियान की भी पोल खोल रही है। अधिकारी एक ओर सफाई कराने का आश्वासन देने में लगे हुए हैं। इसके बाद भी कुछ समाधान होता नहीं दिख रहा है।

बता दें कि नगर पालिक निगम अधिकारी और जन प्रतिनिधि जिले को स्वच्छता में नंबर 1 लाने का संकल्प जरूर ले रहे और जनता से भी सहयोग की अपील करते नजर आते हैं । लेकिन शहर के दोनों जोन में सफाई व्यवस्था को देखते हुए संकल्प पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। मोरवा के वार्ड क्रमांक 9 भगत सिंह कॉलोनी में आधा दर्जन से अधिक स्थानों पर जगह-जगह गंदगी के ढेर लगे हैं, बदबू आ रही है और नालियां चोक पड़ी हैं। लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लंबे समय से नालियों की सफाई नहीं हो रही। स्वच्छता एप पर हो रही शिकायतों को बिना समाधान किये बंद कर रहें हैं। ऐसे में इस बार स्वच्छता अभियान के रैंकिंग में स्थान बनाना अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौती नजर आ रही है। सूत्र बताते हैं कि नोडल अधिकारी और सिटाडेल कंपनी स्वच्छता के नाम पर करोड़ों रुपए का बंदरबांट कर रहे हैं। उन्हें शहर की साफ -सफाई को लेकर बिल्कुल संजीदा नहीं है।

मोरवा के भगत सिंह कॉलोनी की प्रमुख नालियां कचरा से चोक हो गई है। वहीं आसपास की खाली पड़े हिस्से में गंदगी पसरी हुई है। नागरिकों का कहना है कि परेशानी को लेकर कई बार जिम्मेदारों को अवगत कराया। लेकिन किसी ने भी ध्यान नहीं दिया। कई बार शिकायत भी की है। लेकिन कोई भी सुध नहीं ले रहा।

वार्ड क्रमांक 9 कॉलोनी के मुख्य मार्ग से लगी खाली प्लाटों में कचरे का ढेर लगा हुआ है। इस मुख्य मार्ग से प्रतिदिन स्कूली बच्चों सहित आम नागरिकों का आना-जाना होता है। हवा चलते कचरे की खाली पन्नी और धूल पूरे वातावरण में फैल जाती है। वही बदबू आने-जाने वाले खासे परेशान हैं।

ईएमआईएल कंपनी के खिलाफ बंधा के विस्थापितों ने किया जल सत्याग्रह

19 सूत्रीय रखी मांग, विरोध प्रदर्शन को कांग्रेस का मिला समर्थन

सिंगरौली। बंधा विस्थापित एकता मंच के बैनर तले आज बंधक विस्थापितों ने कंपनी के नीतियों के खिलाफ जल सत्याग्रह कर विरोध दर्ज किया। विस्थापितों ने ईएमआईएल कंपनी और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। गौरतलब है कि बंधा विस्थापित एकता मंच के बैनर तले बुजुर्ग महिलाएं, युवा सहित अन्य विस्थापितों ने आज दिन शनिवार को जल सत्याग्रह शुरू किया है। सत्याग्रह आंदोलन को समर्थन देने के लिए कांग्रेस नेत्री कांग्रेस प्रभारी कविता

पाण्डेय, पूर्व मंत्री बंसमणि वर्मा, जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र द्विवेदी, देवेंद्र पाठक, घनश्याम पाठक, रमाशंकर शुक्ल सहित कई नेता बंधा पहुंचे। सत्याग्रह कर रहे विस्थापितों ने कहा कि जिला प्रशासन और ईएमआईएल कंपनी मनमानी कर भू-अर्जन कर रही है। जिले में भू-अर्जन एक्ट नहीं, बल्कि कंपनी एक्ट शुरू हुआ है। जिला प्रशासन साल 2022 में बंदूक की नोक पर सर्वे कराया था। 2023 में नियम विरुद्ध तरीके से कंपनी को शामिल कर भू-अर्जन किया जा रहा है। ऐसे में हम अपनी जमीन नहीं देंगे। विस्थापितों का कहना है कि हमें जमीन के बदले जमीन दें। विस्थापित देता देवेन्द्र पाठक ने कहा कि हम विस्थापित जनसुनवाई का बहिष्कार किया है और समय दिया गया है कि हमारी 19 सूत्रीय मांगों को पूरा नही किया गया तो बंधा, चदैनी-डांड़ तालाब में समस्त प्रभावित ग्रामीण जल सत्याग्रह के लिए बाध्य होंगे।

सरस्वती विद्यालय बिलौंजी में आयोजित हुआ विदाई समारोह

सिंगरौली। सरस्वती शिशु मंदिर बैढ़न में 15 फरवरी को कक्षा एकादश के छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा द्वादश के छात्र-छात्राओं का दीक्षांत समारोह विदाई समारोहद्ध किया गया। दीक्षांत समारोह अन्य पिछड़ा वर्ग के उप संचालक संजीव पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य एवं सरस्वती शिक्षा परिषद जिला सचिव डॉ. सुशील सिंह चन्देल के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य अश्वनी कुमार सोनी द्वारा कराया गया। मुख्य अतिथि अपने विद्यार्थी जीवन को छात्र-छात्राओं के मध्य साझा किए कि मै भी सरस्वती शिशु मंदिर का ही छात्र हूँ। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं को बताया कि जीवन में आए हुए हर कठिनाइयों का सामना सफलता पूर्वक करते हुए अपने लक्ष्य को हासिल करना है।

सरई-झुरही मार्ग के क्षतिग्रस्त पुलो का मरम्मतीकरण की उठी मांग

सिंगरौली। गजरा बहरा-सरई होकर झुरही पहुंच मार्ग की क्षतिग्रस्त पुलों का मरम्मतीकरण का मार्ग में पानी का छिड़काव कराये जाने की मांग की गई है। क्षेत्र के समस्त ग्रामीणों ने तहसीलदार सरई को मांग पत्र सौंपते हुये कहा है कि गजरा बहरा-सरई से होकर झुरही पहुंच मार्ग में कोल परिवहन की गाड़ियों की संख्या बहुत ज्यादा व तेज रफ्तार से होकर गुजरती है। जिससे मार्ग की हालत बहुत ही दयनीय हो गई है। बताया जाता है कि बहुत बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं एवं मार्ग में लगी हुई पुल क्षतिग्रस्त हो चुकी है। ग्रामीणों ने कहा कि कोल्हुआ एवं पुरैल, गन्नई की धामड़ नदी पूरी तरीके से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। साथ ही कोयले की धूल बहुत ज्यादा होने के कारण आये दिन गाड़ियों का टकराना व मोड़ में पलट जाना इस तरह की घटनाएं आये दिन हो रही हैं। क्षेत्रवासियों को सड़क पर चलने के लिए चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों को ने प्रशासन से मांग किया है कि उक्त मार्ग व पुलों का मरम्मतीकरण के साथ-साथ सड़क में पानी का छिड़काव किया जाए। अगर ऐसा नही हुआ तो अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

केकराव वॉलीबाल टूर्नामेंट में 12 टीमें ने किया प्रदर्शन

सिंगरौली। केकराव वॉलीबॉल टूर्नामेंट के द्वितीय दिवस का शुरुआत चितरंगी तहसीलदार द्वारा विगतदिन चितरंगी क्षेत्र के ओड़नी ग्राम पंचायत के अंतर्गत केकराव में तीन दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन चल रहा है। जिसमे द्वितीय दिवस में खेल प्रारंभ करने के लिए मुख्यतिथि के रूप में चितरंगी के तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह उपस्थित होकर खिलाड़ियों का हौसला बुलंद किया। वही दूसरे दिन के खेल में कुल 12 टीमों ने भाग लेते हुए अपना अपना प्रदर्शन दिखाया और साथ में लीग मैच भी हुए आने वाले कल सेमी फाइनल और फाइनल मैच के साथ इस आयोजन का समापन होगा। इस टूर्नामेंट में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ क्षेत्रीय नेतागण बढ़-चढकर भाग लेते हुए नजर आ रहे है। इससे खिलाड़ियों के हौसले बुलंद और आयोजन समिति को गौरवान्वित कर रहे है। दूसरे दिन के आयोजन में प्रमुख रूप से बगदरा मंडल अध्यक्ष गंगा सागर सिंह, शिवपुरवा सरपंच लालता सिंह, मायाराम कॉलेज के प्रोफेसर रमेश सिंह बैस, एडवोकेट लक्ष्मी नारायण, शिक्षक विद्याकांत, पूर्व सरपंच ओड़नी रामप्रसाद बैंस एवं कमेंटेटर के रूप में गंगेश्वर गुप्ता ने निभाया इस आयोजन से क्षेत्र के युवाओं में काफी हर्ष है और आयोजन समिति को ऐसे आयोजन को लगातार कराने के लिए आग्रह भी किया।

मृतकों का 20 घंटे बाद हुआ पीएम, चार-चार लाख की मिली आर्थिक मदद

कंपनी में परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने पर बनी सहमति, जिला अस्पताल में एडीएम, एसडीएम, सीएसपी मौजूद

सिंगरौली। बंधौरा पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत अमिलिया घाटी में कोल वाहन से सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी। घटना के करीब 20 घंटे बाद मृत्यु का जिला चिकित्सालय सह ट्रामा सेंटर में पोस्टमार्टम किया गया। वहीं जिला प्रशासन की मौजूदगी में दोनों मृतकों का उनके गांव में अंतिम संस्कार कराया गया। गौरतलब है कि गड़ाखाड़ में हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत होने के बाद आगजनी की घटना ने जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। रात भर चले बवाल के बाद जिला अस्पताल में आज भारी पुलिस बल की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया। वहीं जिला प्रशासन ने संबल योजना अंतर्गत दोनों मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए और कॉल ट्रांसपोर्टर

फंड से चार-चार लाख रुपए आर्थिक मदद देने के साथ-साथ दोनों मृतकों के परिजनों के एक सदस्य को नौकरी देने पर सहमति बनी है। इस दौरान अस्पताल परिसर में एडीएम, एसडीएम, सीएसपी, थाना प्रभारी सहित भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। गौरतलब है कि अदानी ग्रुप की महान एनर्जी में कोयले की आपूर्ति सड़क के जरिए की जा रही है। जहां बीते कल कंपनी के हाईवे ने दो बाइक सवारों को कुचल दिया था। जिससे मौके पर उनके चिथड़े उड़ गए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में किसी बवाल के डर से बिना परिजनों को सूचना दिए शव को जिला अस्पताल सह ट्रामा सेंटर रवाना कर दिया। पुलिस के इस रवैया से नाराज ग्रामीणों ने कंपनी के स्विफ्ट बसों सहित तीन हाईवा को आग के हवाले कर दिया। बवाल इतना बड़ा की तीन जिलों की पुलिस मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाला तब कहीं जाकर हालात पर काबू पाया गया।

आगजनी की घटना की जानकारी लगते ही मौके पर भारी संख्या में सिंगरौली पुलिस पहुंच गई। जहां गुस्साएं ग्रामीणों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। चर्चा हैं कि इस झड़प में बरगवां थाना प्रभारी राकेश साहू के साथ ग्रामीणों ने मारपीट कर दी। जिसमें उनका हाथ फैक्चर हो गया। घटना के बाद सीधी, रीवा और सतना की फोर्स पहुंची है। अब घटनास्थल पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है। 200 से ज्यादा पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया है।

अदानी ग्रुप की महान एनर्जी के मनमानी को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में काफी समय से आक्रोश पनप रहा था। इसी बीच बीते कल महान एनर्जी कंपनी में कोयला ले रहा एक तेज रफ्तार हाइवा ने दो बाइक सवारों को बेरहमी से कुचल दिया। जिसे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दो लोगों की मौत के बाद पुलिस ने बिना परिजनों को सूचित किये शवो को पीएम के लिए भेज दिया। लेकिन कुछ ही देर में सैकड़ो ग्रामीण घटना स्थल पर एकत्रित हो गए। वही ग्रामीण गड़ाखाड़ चौराहे व अमिलिया घाटी में सड़क को जाम कर प्रदर्शन करने लगे। इसी बीच महान एनर्जी कंपनी की सिफ्ट बस छुट्टी तो हजारों की संख्या में कर्मचारी अपने घर के लिए निकले । ड्यूटी बस जैसे ही घटनास्थल पर पहुंची तो आक्रोशित ग्रामीण शीशे, खिड़की तोड़ने लगे, उसके बाद पांच बसों और तीन डम्फरों में आग लगा दी।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा 16 फरवरी को

जिले में लगभग 39 हजार नव साक्षर होंगे परीक्षा में सम्मिलित

सीधी। जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने हेतु भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा 16 फरवरी को आयोजित होनी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अध्याय 21 के प्रावधानों के अनुसार प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने हेतु 15 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के असाक्षरों को साक्षर करने हेतु कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है, जिसमे ''जन जन साक्षर'' का उद्धेश्य रखा गया है।

कलेक्टर एवं सी.ई.ओ. जिला पंचायत के मार्गदर्शन में राज्य शिक्षा केन्द्र के दिशा निर्देश अनुसार जिले की समस्त विद्यालयों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा का आयोजन किया जाना है। उक्त मूल्यांकन परीक्षा में वे नवसाक्षर शमिल होंगे जो एन.आई.एल.पी. एप के माध्यम से आनलाइन सर्वे द्वारा चिन्हांकित किये गये हैं तथा राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा तैयार की गई उल्लास अक्षर पोथी प्रवेशिका से अध्ययन कर चुके है। इसके साथ ही साक्षरता मिशन के अंतर्गत संचालित कक्षाओं के ऐसे शिक्षार्थी जिन्होने प्रवेशिका पूर्ण कर अंतरिम मूल्यांकन में सफलता प्राप्त की हो तथा प्रमाणीकरण नही किया जा सका हो वे भी इस मूल्यांकन परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगे। साथ ही ऐसे व्यक्ति जो पूर्व शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं तथा उनके पास किसी प्रकार का प्रमाणीकरण नही है वे भी परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगे। असाक्षरों को पढ़ाने हेतु ''इच वन टीच वन'' का सिद्वांत भी रखा गया जिसमें डाइट के छात्राध्यापकों एवं विद्यालय के छात्रों का भी भूमिका महत्वपूर्ण रही जिसमें उन्होने अपने घर एवं बसाहट के असाक्षरों को स्वयं पढ़ाया है उन्हे भी उक्त परीक्षा में सम्मिलित कराया जायेगा।

परीक्षा के लिए जिले में शासकीय प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं को परीक्षा केन्द्र निर्धारित किया गया है, जिसमें प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं के शिक्षको, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं अक्षर साथियों आदि के सहयोग से पर्यवेक्षण एवं मूल्यांकन का कार्य सम्पादित किया जायेगा। समस्त शाला प्रभारी उक्त परीक्षा हेतु केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किये गये है। परीक्षा प्रात: 10 बजे से सायं 05 बजे तक संचालित होगी तथा परीक्षा की अवधि 03 घंटें की रहेगी जिसमें नवसाक्षर अपनी सुविधानुसार परीक्षा में सम्मिलित हो सकेगे। मूल्यांकन कार्य प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं के शिक्षको, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं अक्षर साथियों आदि के सहयोग से किया जाना है। नव साक्षर जो पढ़ना, लिखना एवं बुनियादी संख्यात्मकता में 33 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करेगे उन्हे ''नीड टू इम्प्रूवमेंट'' के अंतर्गत लिया जायेगा तथा उन्हे आगामी परीक्षाओं में पुन: शामिल किया जायेगा। परीक्षा में सम्मिलित कराये जाने हेतु विकासखण्डवार लक्ष्य राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा तय किया गया है। विकासखंड सीधी के लिए 14133, सिहावल के लिए 9217, रामपुर नैकिन के लिए 8912, मझौली के लिए 4678 तथा कुसमी के लिए 2048 लक्ष्य निर्धारित है।

बोर्ड परीक्षा में विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञ से मिलेगी सहायता

विषय शिक्षक विद्यार्थियों को देंगे परामर्श

परीक्षा पूर्व की तैयारी हेतु दिये गए सुझाव

सीधी

शिक्षा का मूल उद्देश्य बहुमुखी विकास एवं अपने जीवनयापन के लक्ष्य को पाना है। जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिये परीक्षा प्रक्रिया से सभी को होकर गुजरना पड़ता है। परीक्षा में सफल होना कोई जादुई छड़ी का काम नही बल्कि परीक्षार्थी द्वारा किये गये परिश्रम और लगन का फल है। सफलता के लिये दृढ़ निश्चय और पढ़ाई में रूचि होना आवश्यक है। परीक्षार्थी यदि सुनियोजित तरीके से चलेगे तो ज्यादा समझ में आयेगा, समझ में आयेगा तो ज्यादा समय तक याद रहेगा और याद रहेगा तो आसानी से लिख पायेगे और सही लिखेगे तो अच्छे अंक मिलेगे।

आत्मविश्विस एवं सफल होने के लिये परीक्षा के अंतिम चरणों में की गई तैयारी का सबसे अधिक योगदान है। मॉक टेस्ट एवं प्री बोर्ड परीक्षा के प्राप्तांको के आधार पर मूल्यांकन कर इस समय का सदुपयोग करें। बोर्ड परीक्षा की समय सारणी के आधार पर विषयों को दोहराने का समय निर्धारित करके पढ़ाई करें।

एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 60 विषय शिक्षको की डियूटी लगाई गई है। इन शिक्षको से विद्यार्थी विषय आधारित या अन्य समस्या हेतु परामर्श प्राप्त कर सकते हैं।

अपनी क्षमता के अनुकूल लक्ष्य बनाये एवं ईमानदारी से लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश करे। नियमित अध्ययन की आदत डाले और समय नियोजन करके पढ़े। बराबर दोहराते रहे। शांत वातारण में पढ़े और पढ़ते समय बीच-बीच में नियमित ब्रेक लेते रहे। अपने भोजन का पूरा ध्यान रखे, 6 से 8 घंटों की नीद भी अवश्य ले। समय कम रह गया है और विषय की पूरी तरह तैयारी नही हुई है तो घबरायें नही निराश न हो। किसी भी ऐसे कार्य या गतिविधि को शुरू न करें जिससे चिंता या घबराहट पैदा हो। प्रत्येक विषय को समान महत्व दे और तैयारी करें। पढ़ाई का समय स्वयं निश्चित करें। किसी भी विषय में कोई समस्या है तो उसे अपने मित्र या अध्यापक से पूछ कर सुलझा लें। उन लोगो से बचे जिनकी आपके प्रति नकारात्मक सोच है। यदि किसी समय ऐसा लगे कि 'अब मुझे याद नही हो रहा या सब कुछ भूल गया' तो उस समय पढ़ाई छोड़ कर थोड़ी देर बाद पढ़ाई शुरू करें। सकारात्मक सोच एवं अच्छी तैयारी से ही आप परीक्षा में अपना श्रेष्ठतम् दे सकते है। यह सवैदा ध्यान रखे। ध्यान बनाये रखे कि आप अपनी क्षमता के अनुसार अच्छे अंक अवश्य लायेगे।

मप्र शिक्षक संघ जिला इकाई सीधी का निर्वाचन आज

सीधी। मध्यप्रदेश शिक्षक संघ प्रांतीय इकाई भोपाल द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला इकाई सीधी का त्रैवार्षिक निर्वाचन 16 फरवरी को शहर के अशासकीय महारानी लक्ष्मीबाई हाई स्कूल सीधी शास्त्री नगर सीधी (मेघदूत पार्क के बगल) में संपन्न कराया जाएगा। दस बजे पूर्वाह्न से निर्वाचन की कार्रवाई प्रारंभ होगी।

शिक्षक संघ के वर्तमान जिला अध्यक्ष राजबहोर पाठक, जिला सचिव सतीश पाण्डेय, कोषाध्यक्ष अर्जुनसिंह एवं जिला संगठन मंत्री शिवशंकर सिंह चौहान ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर अपील की है कि वर्ष 2024 की वार्षिक सदस्यता पर संपन्न होने जा रहे संगठनात्मक चुनाव में संगठन के सभी सदस्य निर्वाचन में भाग ले सकते हैं। जिसमें एक अध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष, छः उपाध्यक्ष, छः उपसचिव एवं दस कार्यकारिणी सदस्य को मिलाकर कुल पच्चीस जिला इकाई में पदाधिकारियों के चुनाव किए जाएंगे।

प्रांतीय कार्यालय से निर्वाचन अधिकारी के रूप में वंशबहादुर सिंह मरकाम सिंगरौली को नियुक्त किया गया है साथ ही निर्वाचन की संपूर्ण कार्यवाही के प्रेक्षक हेतु रीवा जिला इकाई के पूर्व अध्यक्ष विजय पाण्डेय को पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। संगठन के वायलाज अनुसार जिला कार्यकारिणी के गठन हेतु जिला अन्तर्गत समस्त विकासखण्ड और तहसील इकाइयां निर्वाचक होंगी। निर्वाचक मंडल के सदस्यों समेत सभी सामान्य सदस्यों से अनुरोध है कि निर्वाचन हेतु नियत स्थान पर समय से उपस्थित होकर जिला इकाई के गठन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कष्ट करेंगे।

निर्वाचन की संपूर्ण कार्यवाही के मार्गदर्शन हेतु संगठन के संभागीय अध्यक्ष रामकृष्ण तिवारी एवं प्रांतीय कार्यकारिणी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौतम मणि अग्निहोत्री उपस्थित रहेंगे।

बम्हनी विद्यालय में आयोजित हुआ पुरस्कार वितरण कार्यक्रम

सीधी। शासकीय हाई स्कूल बम्हनी में दिनाक 1 फरवरी 2025 से 4 फरवरी 2025 तक संस्कृत भाषा के महत्व पर दूरभाष वार्ता, निबन्ध लेखन, श्लोगन श्लोक गायन, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. प्रेमलाल मिश्र जिला शिक्षा अधिकारी जिला सीधी के मार्गदर्शन में सतीश कुमार पाण्डेय, जिला संस्कृत प्रभारी जिला सीधी एवं पूर्व प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल बम्हनी के द्वारा किया गया। जिसमे 74 छात्र छात्राओं ने भाग लिया दिनाक 15 फरवरी 2025 को विद्यालय में पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रत्येक विधा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त छात्रों को तथा प्रतियोगिता में सहभागिता करने वाले छात्रों को जिला शिक्षा अधिकारी सीधी एवं जिला संस्कृत प्रभारी जिला सीधी से हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र दिया गया।

लोक सेवा आयोग की परीक्षा 16 फरवरी को

जिले के दो परीक्षा केंद्रों में 973 अभ्यर्थी होंगे सम्मिलित

सीधी। परीक्षा नियंत्रक मध्यप्रदेश लोक सेवा अयोग इन्दौर के निर्देशानुसार दिनांक 16.02.2025 (रविवार) को सीधी जिला मुख्यालय में स्थित दो परीक्षा केन्द्रों में प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 02:15 से सायं 04:15 तक दो सत्रों में परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न होना है। जिले के कुल 973 अभ्यर्थी सम्मिलित होगे। शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. वि. क्रमांक 01 सीधी में 500 एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 473 छात्र सम्मिलित होगे।

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं में आयोग द्वारा जारी प्रवेश पत्र के अतिरिक्त कोई एक मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र प्रस्तुत करने पर ही परीक्षा केंद्र में आवेदक को प्रवेश दिया जा सकेगा। मूल फोटो युक्त पहिचान पत्र में मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आयकर का पेन कार्ड, केंद्र एवं राज्य सरकार एवं सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम स्थानीय निकाय एवं अन्य नियोक्ताओं द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, पासपोर्ट, फोटो सहित बैंक पासबुक, शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत परीक्षार्थियों के मामले में शिक्षण संस्था के प्रमुख द्वारा अधिकतम 3 वर्ष पूर्व तक जारी फोटो पहचान पत्र, राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित नवीनतम फोटो परिचय पत्र सम्मिलित है। फोटो परिचय पत्र द्वारा आवेदक की पहचान की पुष्टि न होने पर परीक्षार्थी को परीक्षा देने की अनुमति प्रदाय नहीं की जाएगी।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

परीक्षार्थी प्रवेश पत्र में लिखित सामग्री (काला बॉल पेन) एवं मूल फोटो परिचय पत्र के अतिरिक्त कोई भी सामग्री अपने साथ कक्ष में ना ले जाए। ओएमआर शीट पर अन्य कोई बात ना लिखें। किसी प्रकार का पहचान चिन्ह न बनाएं। काले बॉल पेन के अतिरिक्त अन्य किसी पेन का उपयोग न करें। अपनी ओएमआर शीट को अपनी टेबल को छोड़कर न जाए। परीक्षार्थी कक्ष में वीक्षक के हाथ में ही ओएमआर शीट सौंपे। वीक्षक की अनुमति के बिना कक्ष न छोड़े। अनुचित साधन का उपयोग न करें। ओएमआर शीट पर निर्धारित जगह पर अपने रोल नंबर और अन्य विवरण अनिवार्य रूप से लिखें। परीक्षा की पूर्ण अवधि समाप्त होने पर ही परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र अपने साथ परीक्षा केंद्र से बाहर ले जा सकेंगे। किसी एक प्रश्न का एक ही उत्तर देवें। बाएं हाथ के अंगूठे का निशान लगाएं।

भारतीय भवन एवं अन्य सनिर्माण मजदूर संघ के जिलाध्यक्ष मनोनीत हुए बब्बू साकेत

देश हित, उद्योग हित, श्रमिक हित की बब्बू ने ली शपथ

सीधी। भारतीय मजदूर संघ संबद्ध यूनियन भारतीय भवन एवं अन्य संनिर्माण मजदूर संघ रीवा संभाग की एक आम सभा स्थानीय गॉधी चौक के समीप पार्किंग स्थल में बब्बू साकेत की अध्यक्षता में विगत दिवस दिवस आहुत की गयी। जिसमें जिले के हजारो महिला एवम पुरूष श्रमिक मौजूद रहें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के मंत्री दीप नारायण दिवेदी एवं निर्वाचन अधिकारी के रूप में बाबूलाल साकेत संभागिय महामंत्री भारतीय भवन एवं अन्य संनिर्माण मजदूर संघ रीवा संभाग, रामसरण साकेत संभागीय कोषाध्यक्ष मौजूद रहें। उक्त बैठक में सर्व सम्मति से बब्बू साकेत को जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।

भारतीय मजदूर संघ संबद्ध यूनियन भारतीय भवन एवं अन्य संनिर्माण मजदूर संघ जिला अध्यक्ष बब्बू साकेत महराजपुर सीधी ने जिला कमेटी की घोषणा करते हुए बताया कि जिला उपाध्यक्ष रमेश साकेत, उपाध्यक्ष बसंतलाल सिंह गोड़, उपाध्यक्ष गणेश प्रजापति, उपाध्यक्ष महेश पनिका, महामंत्री गणपति दिवेदी, सह मंत्री इंद्रपाल प्रजापति, सह मंत्री सुखलाल साकेत, सह मंत्री सुर्दशन साकेत, कोषाध्यक्ष गणेश यादव, सह मंत्री श्रीमती गुडिया रावत, कार्यालय मंत्री राजभान प्रजापति, कार्य समिति सदस्य सुनीता लोनिया, प्रदीप प्रजापति, राजभान सिंह, राजेन्द्र रावत, सरदार रावत, शेषमणि रावत, राजबहोर साकेत, पिन्टू रावत, सीता साकेत, खुशबू शाहू को संगठन के पदीय दायित्वों को सौंपा गया है।

निर्वाचन अधिकारी एवं महामंत्री भारतीय भवन एवं अन्य संनिर्माण मजदूर संघ रीवा संभाग रीवा मध्य प्रदेश ने सभी को शुभकामनायें प्रेषित करते हुए सौपें गये पदीय दायित्वों का भॅली भॉति निर्वहन करने की मंशा व्यक्त की है। जहॉ जिलाध्यक्ष बब्बू साकेत ने देश हित, उद्योग हित, श्रमिक हित की शपथ लेते हुए कार्य करने की बात कही।

लीनेस क्लब ने सरस्वती विद्यालय के बच्चों का किया उत्साहवर्धन

सीधी। लीनेस क्लब के सदस्यों ने सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल करौंदिया में आयोजित एक विशेष आशीर्वाद समारोह में 8वीं, 10वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई और उनके अच्छे अंक प्राप्त करने की कामना की गई। सदस्यों ने बच्चों को हल्दी और चंदन लगाकर उनको आशीर्वाद दिया और परीक्षा में सफलता पाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही बच्चों को परीक्षा में उपयोगी सामग्री भेंट स्वरूप दी गई, ताकि वे परीक्षा की तैयारी में मदद पा सकें।

संभागीय पर्यवेक्षक ने परीक्षा की तैयारियों का किया अवलोकन

सीधी। परीक्षा नियंत्रक मध्यप्रदेश लोक सेवा अयोग इन्दौर के निर्देशानुसार दिनांक 16.02.2025 (रविवार) को सीधी जिला मुख्यालय में स्थित दो परीक्षा केन्द्रों में प्रात: 10 बजे से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 02:15 से सायं 04:15 तक दो सत्रों में परीक्षा केन्द्रों में सम्पन्न होना है। जिले के कुल 973 अभ्यर्थी सम्मिलित होगे। शासकीय उत्कृष्ट उ.मा. वि. क्रमांक 01 सीधी में 500 एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय सीधी में 473 छात्र सम्मिलित होगे।

आयोग द्वारा नियुक्त संभागीय पर्यवेक्षक सेवानिवृत्त आईएएस श्री अरुण कुमार पाण्डेय द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया तथा की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। उन्होंने दोनों परीक्षा केंद्र के केंद्राध्यक्ष और परीक्षा से जुड़े अधिकारियों को निर्देशानुसार परीक्षा कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास एवं परीक्षा के नोडल अधिकारी नीलेश शर्मा ने की गई तैयारियों के संबंध में जानकारी दी। उनके साथ लायजनिंग अधिकारी डॉ सुजीत कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे।

पुलिस ने मादक पदार्थ सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

सीधी। अवैध नशे के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये बहरी पुलिस ने 25 हजार रूपये कीमती 2.55 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जप्त कर पंजीबद्ध प्रकरण किया है। पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा भापुसे के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीधी अरविंद श्रीवास्तव व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सीधी श्रीमती गायत्री के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बहरी निरी राकेश बैस के नेतृत्व में बहरी पुलिस ने कार्यवाही करते हुये 2.55 किलोग्राम गांजा जप्त कर प्रकरण पंजीबद्ध करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ. रविन्द्र वर्मा द्वारा अवैध मादक पदार्थ के विक्रय परिवहन एवं भण्डारण के ऊपर कार्यवाही करने हेतु सभी थाना चौकी प्रभारियों को निर्देश दिये गये है। इसी तारतम्य में दिनांक 14 फरवरी को थाना प्रभारी बहरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि नीलेश साहू एवं अर्जुन साहू दोनो निवासी डढिया, ग्राम डढिया मे क्रेशर के पास अपने पास गाजा लेकर विक्री करने हेतु खड़े है। थाना प्रभारी बहरी द्वारा उक्त सूचना से वरिष्ट अधिकारियों को अवगत कराया जाकर सूचना की तस्दीक एवं रेड़ कार्यवाही हेतु एक टीम गठित कर मुखविर के बताये स्थान पर रवाना किया गया जहां टीम पहुंच कर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर संदेहियो को पकडने का प्रयास की जो एक व्यक्ति अधेरे का फायदा उठाकर वहा से पहाड़ी तरफ भाग गया तथा एक व्यक्ति को स्टाफ के द्वारा एक पालीथीन मे कुछ लिये पकड़ा गया जिससे उसका नाम पता पूछा गया जो अपना नाम निलेश साहू पिता राजबहोर साहू उम्र 24 वर्ष निवासी डढिया का होना बताया। फरार हुए व्यक्ति का नाम पता पूछा गया जो उसका नाम अर्जुन साहू पिता हिन्छपति साहू निवासी डढिया का होना बताया। तत्पश्चात समक्ष गवाहो के संदेही के पास में मिली पन्नी की तालासी ली गई तो पन्नी में मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ जिसका तौल करने पर 2.55 किलो ग्राम गॉजा कीमती 24660 रूपये होना पाया गया जिसे समक्ष गवाहों के जप्त किया गया। आरोपियों का उक्त कृत्य धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत दण्डनीय पाये जाने पर उनके विरूद्ध अपराध कायम कर आरोपी नीलेश साहू पिता राजबहोर साहू उम्र 24 वर्ष निवासी डढिया थाना बहरी जिला सीधी को गिरफ्तार कर मामले को विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बहरी निरीक्षक राकेश बैस, सउनि अजीत कुमार पाण्डेय, प्रआर अरविन्द यादव, आरक्षक कमलेश प्रजापति, प्रभात तिवारी, राधेश्याम यादव एवं आरक्षक राजकमल भुर्तिया की अहम भूमिका रही।

आदित्य बिड़ला हायर सेकेण्डरी स्कूल में हुआ वार्षिक खेलों का आयोजन

सीधी। अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट बघवार, जिला सीधी द्वारा संचालित आदित्य बिड़ला हायर सेकेण्डरी स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें खेल शिक्षक प्रकाश प्रजापति एवं मोहित मिश्र के निर्देशन में छात्रों ने अपनी खेल-क्षमता और टीम-भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस खेल महोत्सव में क्रिकेट मैच, कबड्डी, वालीबाल, लेमन रेस, बिस्किट रेस, वैलून गेम, वाटर कलेक्टिंग और म्यूजिकल चेयर जैसी विविध गतिविधियाँ शामिल थीं। सुबह से ही छात्रों के बीच उत्साह का माहौल था। पहले क्रिकेट मैच में विद्यार्थियों ने अपनी टीमों के साथ धूमधाम से खेल खेला और शानदार प्रदर्शन किया। इसके बाद कबड्डी और वालीबाल के मुकाबले ने सभी को रोमांचित किया। पारंपरिक खेलों में लेमन रेस और बिस्किट रेस ने बच्चों को हँसी-खुशी का मौका दिया, जहाँ वे एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हुए आनंदित दिखाई दिए। वैलून गेम और वाटर कलेक्टिंग जैसी दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण गतिविधियों ने छात्रों को शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय बनाए रखा। सभी बच्चों का उत्साह और उत्सुकता म्यूजिकल चेयर में देखने को मिली, जहाँ संगीत के साथ एक अद्भुत प्रतिस्पर्धा का दृश्य बना। विद्यालय के प्राचार्य अतुल कुमार पाण्डेय ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में खेल भावना का विकास होता है और वे जीवन के विभिन्न पहलुओं में समृद्ध होते हैं। यह वार्षिक खेल महोत्सव न केवल छात्रों के लिए मनोरंजन का साधन था, बल्कि यह उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए भी लाभकारी सिद्ध हुआ। खिलाड़ियों ने अपनी खेलकूद क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की। इन खेलों में मो0 यासीन तथा वैष्णवी शर्मा ने विशिष्ट प्रदर्शन किया। वार्षिक खेल महोत्सव का समापन पुरस्कार वितरण समारोह से हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि बी.पी. सग्गू (यूनिट हेड) और विशिष्ट अतिथि योगेश द्विवेदी (एफ-एच.एच.आर.) ने खिलाड़ियों को उनके अद्वितीय प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए। मुख्य अतिथि बी.पी. सग्गू ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को खेलों के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं। खेलों से जीवन में अनुशासन और टीमवर्क की भावना विकसित होती है। उन्होंने सभी विजेता और भागीदारों की सराहना की और उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस आयोजन के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों को उत्साहित किया और उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित किया। अन्त में विजेता छात्रों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन अजय कुमार मिश्र तथा धन्यवाद ज्ञापन राजस्वरूप मुण्ड ने किया। वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन न केवल खेलों के प्रति विद्यार्थियों की रुचि को बढ़ावा देने के लिए किया गया, बल्कि यह उनके समग्र विकास में भी योगदान देने वाला एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

संपादकीय

मुकदमों का बोझ घटेगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को नया इनकम टैक्स बिल लोकसभा में पेश कर दिया। पिछले दिनों बजट पेश करते हुए भी उन्होंने इसका जिक्र किया था। तभी से निगाहें इस बात पर टिकी थीं कि प्रस्तावित बिल के जरिए किस तरह के बदलाव लाए जाने वाले हैं। इस लिहाज से यह राहत की बात कही जा सकती है कि यह बिल इनकम टैक्स प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। असल में 1961 में जब यह कानून लाया गया था, तब से न केवल इकॉनमी बल्कि हमारे आसपास की पूरी दुनिया बदल चुकी है। बदलती जरूरत के मुताबिक इस कानून में नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या की गुंजाइश भी बनाए रखती थी। परिणाम यह हुआ कि अपने देश में टैक्स को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87त हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है। इस रकम की विशालता का अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि ताजा बजट में मध्यमवर्ग को मिली आयकर छूट भी 1 लाख करोड़ रुपये ही बैठती है। दिलचस्प है कि आयकर विभाग को इन विवादों से कोई फायदा भी नहीं होता क्योंकि इनमें जीत का उसका रेकॉर्ड बड़ा खराब रहा है। ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। ओईसीडी देशों का औसत इस मामले में 65 प्रतिशत है। ऐसे में चाहे असेसमेंट ईयर के बदले टैक्स ईयर जैसी शब्दावली तय करने की बात हो या सैलरी डिडक्शन से जुड़े तमाम प्रावधानों को एक सेक्शन में रखने की या खेती से जुड़ी आमदनी संबंधी प्रावधानों पर स्पष्टता लाने की, प्रस्तावित बिल सही ढंग से अमल में आए तो यह देश की टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत कर सकता है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है।

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

(ललित गर्ग)

एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा। यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में कड़ा है मुकाबला, भारत की साख दांव पर

(आदर्श प्रकाश सिंह)

पिछली चैम्पियंस ट्रॉफी जून 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके।

क्रिकेट की दुनिया में एक बार फिर से चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी हो गई है। इसी महीने की 19 तारीख से इसका शुभारंभ पाकिस्तान की धरती से हो रहा है। इसे मिनी विश्व कप भी कहा जाता है। इस प्रतियोगिता में आईसीसी वनडे रैंकिंग की आठ टीमें भाग लेती हैं। आईसीसी ने उन देशों में क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए चैम्पियंस ट्राफी की शुरुआत की जहां टेस्ट मैच नहीं खेले जाते हैं। इसीलिए पहली चैम्पियंस ट्रॉफी 1998 में बांग्लादेश में खेली गई। इसके बाद इसका आयोजन 2002 में कीनिया में हुआ। 2013 में भारत इसका विजेता रहा है। पहले यह हर दो साल पर खेली जाती थी। इस बार 50 ओवरों के फार्मेट में इसके मैच पाकिस्तान के अलावा दुबई में खेले जाएंगे। भारतीय टीम ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। इस नाते भारत के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे। पाकिस्तान की दलील थी कि जब उसकी टीम विश्व कप खेलने भारत जा सकती है तो भारत की टीम को भी पाकिस्तान आना चाहिए। पिछले साल यह मामला काफी चर्चा में रहा कि भारत सरकार क्या रवैया अपनाएगी, अपनी टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति मिलेगी या नहीं? आखिरकार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और भारतीय क्रिकेट बोर्ड के बीच यह तय हुआ कि भारत अपने मैच किसी तटस्थ देश में खेलेगा। इसके लिए संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई को चुना गया जहां पहले भी भारत खेल चुका है। अब अगर भारत फाइनल या सेमी फाइनल में पहुंचता है तो भी वह अपने मैच दुबई में ही खेलेगा। हम सब जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में खटास है। इसके चलते द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेली जा रही है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में इसके लिए हाइब्रिड माडल का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी दोनों देश तटस्थ स्थान पर खेल रहे हैं। दो साल पहले एशिया कप भी इसी आधार पर खेला गया था। भारत ने अपने सभी मैच श्रीलंका में खेले और प्रतियोगिता में विजय भी पाई।

पिछली चैम्पियंस ट्रॉफी जून- 2017 में इंग्लैंड और वेल्स में खेली गई थी। तब भारत और पाकिस्तान की भिडंत फाइनल में हुई थी और पाकिस्तान ने हमें पराजित कर दिया था। लीग मैच में तो भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया था लेकिन फाइनल में हम उससे पार नहीं पा सके। उसके बाद यह प्रतियोगिता काफी दिनों तक स्थगित रही। अब 2025 में इसकी वापसी हो रही है। विश्व की आठ प्रमुख टीमें इसके लिए मैदान में उतरेंगी। भारत का पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के साथ होगा।

विश्व कप-2023 में मिली पराजय को भारत भूला नहीं है। पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करने के बाद अहमदाबाद में खेले गए फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से हम हार गए थे। इसके बाद एकदिवसीय प्रारूप में खेली जाने वाली यह पहली स्पर्धा होगी। भारत पिछले जख्म का बदला लेना अवश्य चाहेगा। इस नाते हम कह सकते हैं कि भारत की प्रतिष्ठा दांव पर है। इंग्लैंड के साथ मौजूदा सीरीज में हमारा प्रदर्शन बढ़िया रहा है। भारत टी?20 सीरीज 4-1 से जीत गया है और वनडे सीरीज में भी 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। नागपुर में वनडे सीरीज का पहला और कटक में रविवार को हुआ दूसरा मैच भारत ने चार विकेट से जीत लिया है। इससे चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए अच्छा अभ्यास हो गया है। भारतीय टीम का ऐलान किया जा चुका है। कप्तान रोहित शर्मा को बनाया गया है जो सीमित ओवरों के मैच में सफल खिलाड़ी रहे हैं। मगर, पिछले कुछ महीनों से उनके प्रदर्शन में काफी गिरावट आई है। ऑस्ट्रेलिया में खेली गई बार्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में रोहित बुरी तरह नाकाम रहे। हालत यह थी कि आखिरी टेस्ट में उन्हें बाहर बैठना पड़ा। भारत में यह पहली बार हुआ जब खराब प्रदर्शन के कारण कप्तान को ही मैच में नहीं उतारा गया। उनके कॅरियर पर अब सवाल उठाए जा रहे हैं। पर, उनका कहना है कि मैं अभी संन्यास नहीं लूंगा। नागपुर वनडे में रोहित का बल्ला नहीं चला। वह दो रन बना कर आउट हो गए। लेकिन कटक में 119 रनों की पारी खेल कर उन्होंने फॉर्म में लौटने के संकेत दिए हैं। रोहित से ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले उनका लय में लौटना आवश्यक भी था।

विराट कोहली का बल्ला भी काफी दिनों से खामोश है। नागपुर में वह चोट के कारण नहीं खेले लेकिन कटक में उनके बल्ले से केवल 5 रन निकले। विराट और रोहित का यह आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है क्योंकि दोनों पर उम्र का प्रभाव दिख रहा है। इन दोनों के निराशाजनक प्रदर्शन से टीम का पराजय का मुंह देखना पड़ता है। उप कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में अर्धशतकीय पारी खेली है। यह शुभ संकेत है, पर केएल राहुल ने निराश किया है। चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए जसप्रीत बुमराह का फिट होना बहुत जरूरी है। इसी कारण इंग्लैंड के विरुद्ध मैचों में उन्हें नहीं उतारा गया। मोहम्मद शमी लगभग एक साल बाद वापसी कर रहे हैं। बुमराह और शमी अगर पूरी तरह फिट रहे तो भारत की संभावनाएं काफी प्रबल हो जाएंगी। अक्षर पटेल का हरफनमौला प्रदर्शन भारत के लिए बोनस की तरह है। आशा है, रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और भारत इस आईसीसी ट्रॉफी को जीत कर विश्व कप-2023 की हार का गम करेगा।

वर्ग पहेली 5644

संकेत: बाएं से दाएं
1. 27 सितंबर 1949 को बीजिंग शहर को इस देदश की नई राजधानी चुना गया (2)
4. जिंदगी, पुरानी फिल्मों के दिवंगत खल एवं चरित्र अभिनेता (3)
6. कामयाब न होना, असफल होना (6)
9. एशिया के दक्षिणी पूर्वी तट से करीब 900 किमी.दूर विषवत रेखा पर स्थित देश फिलीपींस की यह राजधानी है (3)
10. जो, अगर (2)
11. अंतकरण, हृदय, चित्त (2)
12. अध्ययन करने की क्रिया को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
15. बल, मरोड़, ऐंठ, सल (3)
16. चकवा पक्षी को यह भी कहा जाता है (4)
18. धनागम, इंकम, आमदानी (2)
19. यह अरब राज्य 15 अगस्त 1971 को स्वाधीन हुआ था (4)
20. अधीनता, मातहती, अधिकार, वश (3)

ऊपर से नीचे
1. मुख्यमंत्री को अंग्रेजी में यह कहते है (6)
2. श्रीराम की सेना का एक शिल्पकार वानर, जल प्राप्ति का कृत्रिम स्त्रोत (2)
3. आकाशीय विद्युत, बिजली, ताड़ित (3)
4. जीवित रहना, सजीव रहना (2)
5. इस फिल्म में संजीव कुमार ने नौ भूमिकाएँ निभाई थी (8)
7. लवण, लोन, खारे जल से तैयार किया गया क्षार पदार्थ (3)
8. माथा, मस्तक, भाल (3)
10. हिंदी साहित्य में एक अलंकार जिसमें एक ही शब्द बार-बार आकर भिन्न-भिन्न अर्थ देता है (3)
13. किसी महाविद्यालय का प्रमुख, प्रिंसिपल, किसी विश्वविद्यालय में संकायाध्यक्ष (2)
14. नायक, किसी नाटक फिल्म का प्रमुख पात्र (2)
15. उपालंभ, शिकवा (4)
17. उपस्थिती, हाजिर होने का भाव (3)

वर्ग पहेली 5643 का हल

दे	व	आ	नं	द			
व	र	ना		ही	र	सं	झा
की		जा	वा		पता		र
सु	झ	ना	स	फ	र		खं
त	ल		व			रो	ड
		आ	द	म		ज	
ला	स	द	त्ता		वे	गा	ना
वा	न	र			क	र	ना

हार का ठीकरा दूसरों पर फोड़ना गलत

(फैजल चौधरी)

गुजरात, गोवा, हरियाणा सहित तमाम राज्यों में कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी उतारकर कांग्रेस को हराने में भाजपा की मदद करने वाली आम आदमी पार्टी दिल्ली में चुनाव क्या हारी, उसके समर्थक कांग्रेस पर आक्षेप लगाने लगे हैं। आरोप लगाया जा रहा है कि कांग्रेस की वजह से दिल्ली में आम आदमी पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। मगर ऐसा कहने वाले हकीकत में सच्चाई से मुंह मोड़ रहे हैं। दिल्ली में आप चुनाव हारी, तो इसका कारण आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ लोगों में फैली नाराजगी और सत्ता-विरोधी रुझान है। इसमें कांग्रेस का हाथ नहीं है, बल्कि आप नेता जनता से झूठ बोलते रहे। इसी तरह, हरियाणा में जब कांग्रेस को आप के समर्थन की जरूरत थी और भाजपा को हराने के लिए आप के साथ गठबंधन बनाने को वह तैयार थी, तब उसने अपने उम्मीदवार उतारकर चुनावी मैदान का रुख बदल दिया। समझना यह भी होगा कि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है और सारे राज्यों में उसका एक अस्तित्व है, अपना एक वोटर है और कांग्रेस अपने वोटरों के लिए चुनाव लड़ेगी, न कि भाजपा के साथ पर्दे के पीछे हाथ मिलाने वाली क्षेत्रीय पार्टियों के लिए खुद को हाशिये पर धकेल देगी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक बड़ी गलती यह रही कि उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई के डर के कारण भाजपा के पक्ष में कई राज्यों में बैटिंग की, जिसके कारण भारतीय जनता पार्टी मजबूत हुई। हालांकि, भाजपा ने भ्रष्टाचार में घिरे आम आदमी पार्टी के नेताओं को जेल में डाल ही दिया। बहरहाल, यह चुनाव नतीजा अरविंद केजरीवाल के लिए किसी सबक से कम नहीं।

आज का राशिफल

मेष

आज अपनी श्रेष्ठ कार्यप्रणाली के बल पर सबके सिरमोर बनेंगे।शिल्पकला ,पत्रकारिता, पुरोहिताई कर्म करने वाले विशेष लाभ प्राप्त करेंगे।पूंजीनिवेश बढेगा।वाहन चलाने में सावधानी रखें। उपाय-कुल ब्राह्मण को वस्त्र दे

वृष

आज भोर में देखे सपनो में कार्य सिद्धि मिलेगी।सामाजिक कार्यों में उपस्थिथि देने का अवसर मिलेगापशु,पक्षी,जीव-जंतु से कष्ट हो सकता है।पिता या घर के बढ़ो का मार्गदर्शन अनुकूल रहेगा। उपाय-मातापिता को देव दर्शन कराएं >

तुला

आज सुबह चिंताओं से दिन प्रारम्भ होगा।दोपहर के बाद अच्छी सूचना मिलने से मन प्रसन्न होगा।बच्चो की उपलब्धियां संतोषप्रद रहेगी।संध्या तक शेयर बाजार में लाभ के संकेत मिलेंगे।नौकरीं में दिन आनंददायक होगा।ज्यादा तीखा खाने से पेट मे पीड़ा हो सकती है। उपाय-श्रीनारायण कवच का पाठ करे

वृश्चिक

आज व्यवसायिक मुसीबतों का दौर आज रूकेगा।नये कार्यो की रुरेखा का चिंतन होगा। भूमि साधनों की समस्या दूर होने बाली है।पितरों के निमत्त धार्मिक अनुष्ठान में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त होगा।मन प्रफुल्लित रहेगा। उपाय-काला वस्त्र पॉकेट में रखें

मिथुन

आज रोगभय हो सकता है।धन लाभ के योग भी बन रहे है।शत्रुयों में वृद्धि होगी।विना गलती के आपके ऊपर दोषारोपण हो सकता है।मन विचलित होगा पत्नी का सहयोग मिलेगा। उपाय-दूर्वा श्रीगणेश को अर्पण करे

कर्क

आज वस्त्रलंकार के नवीन साधन प्राप्त होंगे।राज्यसेवा के कार्यो में सफलता मिलेगी।पुराने मित्रों की याद कुछ पीड़ा दे सकती है।घर मे नया सदस्य आ सकता है। प्लास्टिक वस्तुओं के व्यापार में लाभ होगा। उपाय-शमी वृक्ष की पूजा करे

धनु

आज विघ्न बाधाओं से मुक्ति का दिन है।पुराने रुके कार्य पूर्ण होंगे।कानूनी कार्यो में सफलता प्राप्त होगी।आर्थिक लाभ होगा। प्रवास के योग है।नौकरीं वालो को पदोउन्नति मिलेगी।व्यय में कमी होंगी।डरावने स्वप्न आ सकते है। उपाय- सिंदूर का तिलक मस्तक पर लगाएं ।

मकर

आज वाणी शक्ति से लोगो से अपने कार्य निकालने में सफल होंगे।बड़ी योजना का दायित्व आपको मिल सकता है।वाहन दुर्घटना का समय बन रहा है।सावधानी से वाहन का उपयोग करे।अग्नि से दूर रहे।शल्यक्रिया बन सकती है। उपाय-श्री आदित्यहृदय स्त्रोत्र का पाठ करे।

सिंह

आज सर्व प्रगति की योग है।सुख सम्मान में वृद्धि होगी।वित्त लाभ मिलेगा।घर मे इंटीरियर का कार्य होगा।रिस्तेदारो से सम्बंध अनुकूल रहेंगे।लोहे की वस्तु से चोट की सम्भवना है।बैंकिग लेनदेन धन वृद्धिकारक रहेंगे। उपाय-काजल कन्या को दे

कन्या

आज संपदा क्रय के लिये विभिन्न प्रस्ताव आपके समक्ष होंगे,पर आप सभी प्रस्ताव के सम्बंध में निर्णय की दुविधा में रहेंगे। जिसे आप टाल देंगे।धार्मिक अनुष्ठान में समय देने का अवसर प्राप्त होगा।कार्यक्षेत्र में किसी से विवाद की स्थिति बन सकती है।क्रोध से बचे।

कुंभ

आज मानसिक क्लेश हो सकता है।देहपीड़ा होने की पूरी सम्भवना है।आर्थिक लाभ भी पूर्ण है।अतिथि के सत्कार में समय व्यतीत होगा उनसे लाभ भी प्राप्त सम्भव है।अधिक धन खर्च से मन दुःखी रहेगा। उपाय- तील के तेल का दीपक पीपल वृक्ष के सामने लगाएं।

मीन

आज आपका विजय दिवस है।कार्यसिद्धि प्राप्त होगी।पारिवारिक मजबूती को बल मिलेगा।निकटम जनों से संबंध अनुकूल बनेंगे।रोग में सुधार रहेगा।सुयश काल है।पराक्रम से समाज मे उच्च स्थान मिलना तय है।व्यापार में मिश्रित धन लाभ है। उपाय- यज्ञोपवीत श्रीगणेश को अर्पण करे।

संक्षिप्त समाचार

आयकर विधेयक 2025 की समीक्षा के लिए गठित सेलेक्ट कमेटी के अध्यक्ष बने सांसद पांडा

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विधेयक, 2025 पर विचार करने के लिए लोकसभा की प्रवर समिति (सेलेक्ट कमेटी) का शुक्रवार को गठन किया गया. भाजपा सांसद बैजयंत जय पांडा को इसका अध्यक्ष नियुक्त किया गया. समिति में 31 सांसद होंगे. इनमें सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के 17 सांसद शामिल हैं. एनडीए के सांसदों में भाजपा के 14 और टीडीपी, जेडी(यू) और शिवसेना के एक-एक सांसद शामिल हैं. विपक्षी दलों के पास 13 सांसद हैं. इनमें कांग्रेस के छह, समाजवादी पार्टी के दो और डीएमके, टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और आरएसपी के एक-एक सांसद शामिल हैं. एक सांसद, रिचर्ड वनलालहमंगइहा, मिजोरम की सत्तारूढ़ मिजोरम पीपुल्स मूवमेंट से हैं. पांडा के अलावा भाजपा के सदस्यों में निशिकांत दुबे, पी पी चौधरी, भर्तृहरि महताब और अनिल बलूनी शामिल हैं. विपक्षी सांसदों में कांग्रेस के दीपेंद्र सिंह हुड्डा, टीएमसी की महुआ मोइत्रा, एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले और आरएसपी के एन के प्रेमचंद्रन शामिल हैं. इस समिति को मानसून सत्र के पहले दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है. मौजूदा बजट सत्र 4 अप्रैल को समाप्त होगा और मानसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू हो सकता है. लोकसभा में गुरुवार को विधेयक पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मसौदा कानून को सदन की प्रवर समिति को भेजने का आग्रह किया. बहुप्रतीक्षित विधेयक में कर निर्धारण वर्ष और पूर्व वर्ष जैसे शब्दों के स्थान पर कर वर्ष जैसे सरलीकृत शब्द रखे जाएंगे, जो कि भाषा को सरल बनाने के साथ-साथ प्रावधानों और स्पष्टीकरणों को भी हटा देगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का बजट सत्र 3 मार्च से शुरू होगा, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला पेश करेंगे बजट

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का पहला बजट सत्र 3 मार्च को जम्मू में आयोजित किया जाएगा. वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट पेश करेंगे. यह जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार का पहला बजट सत्र होगा. जम्मू-कश्मीर के लिए बजट 2019 से संसद में पेश किया गया था. वह इसलिए क्योंकि जम्मू-कश्मीर में लंबे समय तक राष्ट्रपति शासन लगा रहा था, जो पिछले साल अक्टूबर में समाप्त हो गया था. स्पीकर अब्दुल रहीम राथर के अनुसार, 28 दिवसीय सत्र 3 मार्च को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के अभिभाषण के साथ शुरू होगा, जिसके बाद 6 मार्च तक विधायकों द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा जाएगा. स्पीकर ने आज एक अधिसूचना जारी कर सत्र बुलाने की घोषणा की. मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 7 मार्च को बजट (व्यय का वार्षिक वित्तीय विवरण) पेश करेंगे और 8 मार्च को बजट पर सामान्य चर्चा होगी. 12 से 24 मार्च तक विधायकों द्वारा अनुदान की मांगें पेश की जाएंगी. 7 से 9 अप्रैल तक निजी सदस्यों के विधेयक और संकल्प पेश किए जाएंगे, जबकि अंतिम दिन 11 अप्रैल को सरकारी कामकाज होगा. बजट सत्र के लिए सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी पीडीपी के विधायकों ने शराबबंदी के लिए विधेयक पेश करने का कार्यक्रम बनाया है, जबकि पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने कहा कि उसके अध्यक्ष और विधायक सज्जाद लोन अनुच्छेद 370 और 35ए की बहाली के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे. बता दें कि, विधानसभा का पहला चार दिवसीय परिचय सत्र नवंबर में श्रीनगर में आयोजित किया गया था और सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए पारित प्रस्ताव पर विवादों से घिरा रहा. मुख्य विपक्षी दल भाजपा ने प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था, जबकि छोटे विपक्षी दल पीडीपी और सज्जाद लोन ने आलोचना के साथ प्रस्ताव का समर्थन किया था।

केरल से सामने आया रैगिंग का एक और खौफनाक मामला; ग्यारहवीं के छात्र का तोड़ा हाथ

कोट्टायम, एजेंसी। केरल में नर्सिंग होम में हुई रैगिंग की खबर पर आक्रोश के बीच एक और भयावह रैगिंग की घटना सामने आई है। जानकारी के मुताबिक केरल के कन्नूर में 11वीं के एक छात्र के साथ हुई रैगिंग के बाद उसके हाथ टूट गया। पुलिस ने बताया है कि सीनियर छात्रों ने कथित तौर पर इज्जत न करने के आरोप लगाते हुए छात्र को बुरी तरह पीट दिया। छात्र के आरोप के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने पांच छात्रों के खिलाफ भारत न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर लिया है। कोलावल्लूर पुलिस के मुताबिक कोलावल्लूर पीआर मेमोरियल स्कूल के छात्र मुहम्मद निहाल ने कहा है कि सीनियर की पिटाई के बाद उसका हाथ टूट गया है। पीड़ित छात्र को थालास्सेरी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब कोट्टायम के एक नर्सिंग कॉलेज के पांच स्टूडेंट्स को रैगिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इन स्टूडेंट्स पर फर्स्ट ईयर के छात्र के साथ बेरहमी करने के आरोप लगे हैं। रैगिंग से जुड़ा एक दिल दहला देने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में सीनियर छात्रों को एक जूनियर छात्र के गुप्तांगों पर भारी वस्तु रखने के बाद हंसते और भद्दी टिप्पणियां करते हुए दिख रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वायनाड पुनर्वास के लिए 529.50 करोड़ मंजूर किए, केरल के मंत्री ने ऋण की इन शर्तों पर सवाल उठाए

वायनाड, एजेंसी। केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल ने शुक्रवार को मोदी सरकार द्वारा वायनाड पुनर्वास के लिए लगभग 529.50 करोड़ रुपये का सशर्त ऋण मंजूर किए जाने के बाद केंद्र की आलोचना की। मंत्री ने इस शर्त को बहुत बड़ी व्यावहारिक समस्या बताया। केंद्र ने वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए अपनी पूंजी निवेश योजना के तहत ऋण मंजूर किया, इस शर्त के साथ कि केरल को 31 मार्च तक राशि का उपयोग करना होगा।

केंद्र की पूंजी निवेश 2024-25 के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत ऋण से जुड़ी शर्तों के अनुसार, जारी की गई राशि को 10 कार्य दिवसों के भीतर कार्यान्वयन एजेंसियों को भेज दिया जाना चाहिए।

पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25 के अनुसार, यदि उस अवधि से आगे कोई देरी होती है, तो राज्य पिछले वर्ष के लिए खुले बाजार उधार पर भारित ब्याज दर के अनुसार जारी की गई राशि पर केंद्र को ब्याज का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होगा।

मंत्री ने दावा किया हमें जो मिला वह अनुदान नहीं था, यह कैपेक्स (पूंजीगत व्यय) योजना के तहत 529.50 करोड़ रुपये का ऋण है। यह एक दीर्घकालिक ऋण है जिसे चुकाया जाना चाहिए। हालांकि इसका बहुत जल्दी उपयोग किया जाना चाहिए, जो ऋण की शर्तों में से एक है। यह एक बड़ी व्यावहारिक समस्या है।

उन्होंने कहा कि ऋण से जुड़ी शर्तों के बावजूद, राज्य पुनर्वास कार्य को आगे बढ़ाएगा और केंद्र सरकार को कम समय सीमा - 31 मार्च तक इतनी बड़ी राशि का उपयोग करने की व्यावहारिक कठिनाइयों से अवगत कराएगा। बालगोपाल ने कहा कि केरल को कोई अनुदान नहीं मिला है, जो आमतौर पर ऐसी आपदाओं की स्थिति में प्रदान किया जाता है, ऋण में भी देरी हुई है। उन्होंने कहा, उन्हें इसे थोड़ा पहले प्रदान करना चाहिए था। फिर भी, एक बार सभी मंजूरियाँ मिल जाने के बाद, राज्य पुनर्वास कार्य के पहले चरण को आगे बढ़ाएगा, जिसमें एक वर्ष के भीतर या अगले वर्ष तक एक टाउनशिप का निर्माण शामिल है। बालगोपाल से सहमति जताते हुए, विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने भी कहा कि 31 मार्च तक ऋण राशि का उपयोग करने की शर्त अव्यावहारिक थी। केंद्र के कदम की कड़ी आलोचना करते हुए, सतीशन ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि पुनर्वास कार्य के लिए विशेष वित्तीय पैकेज के बजाय ऋण प्रदान करना वायनाड में प्रभावित लोगों का मजाक उड़ाने के समान है, जिन्होंने अपनी जान, आजीविका खो दी है और असहाय खड़े हैं। उन्होंने कहा कि 16 परियोजनाओं के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करके, जिसका उपयोग 31 मार्च तक किया जाना चाहिए, केंद्र सरकार केरल की मदद करने का दिखावा करते हुए उसका दम घोंटने की कोशिश कर रही है। सतीशन ने कहा कि वही केंद्र सरकार, जिसने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित अन्य राज्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की थी, केरल को यह सहायता देने से मना कर रही है, जो 2,000 करोड़ रुपये के विशेष पैकेज का हकदार है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार का संवैधानिक दायित्व भी है कि वह इसे प्रदान करे। यह कार्रवाई भारतीय संविधान द्वारा परिकल्पित संघीय ढांचे को कमजोर करती है। विपक्षी नेता ने दावा किया, वायनाड और केरल के लोगों के प्रति केंद्र सरकार द्वारा दिखाई गई अमानवीय उपेक्षा को कभी भी उचित नहीं ठहराया जा सकता। केंद्र सरकार को केरल के प्रति अपना रुख तुरंत सुधारना चाहिए, अन्यथा यूडीएफ केंद्र के रुख के खिलाफ लोगों को लामबंद करके एक मजबूत आंदोलन का आयोजन करेगी। ऋण से जुड़ी अन्य शर्तों में यह सुनिश्चित करना शामिल है कि धन को पार्क न किया जाए और योजना के तहत स्वीकृत पूंजी परियोजनाओं के लिए धन के दोहराव से बचा जाए। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार के सूत्रों ने कहा कि जिन विशिष्ट परियोजनाओं के लिए ऋण स्वीकृत किया गया है, उनमें किसी भी अपरिहार्य परिवर्तन के लिए राज्य को केंद्र की मंजूरी लेनी होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र ने कहा है कि ऋण राशि का उपयोग उसके इच्छित उपयोग के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए करने पर बाद की अवधि में राज्य के कर हस्तांतरण में कटौती होगी। वायनाड में आपदा प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास के लिए वित्तीय सहायता न दिए जाने पर केरल में एलडीएफ और यूडीएफ द्वारा केंद्र की कड़ी आलोचना के बाद ऋण स्वीकृत किया गया था। पिछले साल जुलाई में उच्च श्रेणी के जिले में तीन गांवों में हुए भूस्खलन में 200 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

भाजपा ने जारी की मेयर प्रत्याशियों की सूची, ऊषा प्रियदर्शी का टिकट कटा

चंडीगढ़, एजेंसी। नगर निगमों के चुनाव के लिए हरियाणा भाजपा ने आज मेयर पद के लिए प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी थी लेकिन महज 10 मिनट के अंदर इसे वापस ले लिया था। देर शाम भाजपा हाईकमान की स्वीकृति के बाद संशोधित सूची जारी हुई, जिसमें 8 प्रत्याशी पुरानी सूची वाले ही हैं जबकि गुरुग्राम से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष ऊषा प्रियदर्शी का टिकट कट गया और उनके स्थान पर भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महिला मोर्चा राजरानी मल्होत्रा को गुरुग्राम से टिकट दे दिया गया।

पहले जारी की गई सूची को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। यह वह सूची थी, जो भाजपा कोर कमेटी और प्रदेश चुनाव समिति की बैठकों में तैयार की गई थी। यह सूची हाईकमान के पास मंजूरी के लिए भेजी गई थी, मगर मंजूर होने से पहले ही जारी हो गई। भाजपा के केंद्रीय मीडिया कार्यालय द्वारा जारी यह सूची हरियाणा के मीडिया प्रभारियों तक पहुंच गई और उन्होंने इस सूची को हाईकमान से मंजूर मानते हुए मीडिया पर जारी कर दिया। इसमें शामिल मेयर पद के उम्मीदवारों और उनके समर्थकों ने मिठाई तक बंटवा दी थी। भाजपा को जब अपनी इस गलती का पता चला तो प्रचारित की गई मेयर उम्मीदवारों की सूची को 10 मिनट के भीतर ही वापस ले लिया गया। भाजपा नेताओं ने कहा कि इस पर प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के हस्ताक्षर ठीक नहीं थे, इसलिए दोबारा से संशोधित सूची जारी की जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

मुस्तफाबाद का नाम बदलने की तैयारी में भाजपा विधायक मोहन सिंह

नईदिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न चुनावों में दिल्ली विधानसभा में मुस्तफाबाद सीट जीतने वाले मोहन सिंह बिष्ट ने दोहराया कि वह मुस्तफाद का नाम बदलकर शिव पुरी या शिव विहार रखेंगे। मोहन सिंह बिष्ट ने कहा कि मैंने कहा था कि अगर मैं जीत गया तो मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव पुरी या शिव विहार रख दूंगा। मैं ऐसा करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि लोग मुस्तफा नाम से चिंतित हैं, इसलिए यह काम करना होगा।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि जिस क्षेत्र में हिंदू रह रहे हैं उसका नाम मुस्तफाबाद के बजाय शिव पुरी या शिव विहार क्यों नहीं रखा जा सकता? मुस्तफाबाद का नाम बदलने के अपने फैसले के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि एक पक्ष के पास 58 प्रतिशत (जनसंख्या) है, और दूसरे पक्ष के पास 42 प्रतिशत है। इसलिए, 58 प्रतिशत (जनसंख्या) का सम्मान करना ही उचित है। इसीलिए मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिव विहार या शिवपुरी रखा जाएगा। बिष्ट ने एएनआई को बताया कि हम मुस्तफाबाद का नाम बदलकर शिवपुरी या शिव विहार कर देंगे। मैं निश्चित रूप से नाम बदलूंगा क्योंकि मैंने 1998 से 2008 तक वहां विकास कार्य किया था। और विकास कार्य का नाम से कोई संबंध नहीं है। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में मुस्तफाबाद सीट से भाजपा उम्मीदवार मोहन सिंह बिष्ट ने 17,578 वोटों के अंतर से जीत हासिल की।

बिहार चुनाव में नीतीश कुमार ही होंगे NDA का चेहरा, BJP ने कर दिया क्लियर; अब पाला नहीं बदल पाएंगे?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के खत्म होते जीवन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है. पार्टी ने इस बार पहले ही नीतीश कुमार को ये आश्वासन दे दिया है कि एनडीए उनके ही नेतृत्व में चुनाव में जाएगी ताकि हमेशा की तरह नीतीश कुमार पाला ना बदलें. वैसे भी जब से बिहार चुनाव की सुगबुगाहट हुई है तभी से नीतीश कुमार को लेकर राजद की बयानबाजी और काफी देर तक इस पर नीतीश की चुप्पी ने कई कयासों को जन्म दे दिया था.

मगर सूत्रों की माने तो इस हलचल के बाद से भाजपा आलाकमान लगातार जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और नीतीश के संपर्क में हैं.पहले नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) से मिलकर सरकार बनाई थी, लेकिन बाद में नीतीश भाजपा के साथ आ गए. राजद फिलहाल विधानसभा में विपक्ष की भूमिका निभा रही है. नीतीश कुमार का पुराना इतिहास देखें तो उन्होंने चार बार दल बदला है. इसी को देखते हुए भाजपा कोई रिस्क नहीं उठाना चाहती और नीतीश कुमार को ही फ्रंट फुट पर रखकर वो बिहार का चुनाव लड़ेगी.

नीतीश कुमार हमेशा पाला बदलने के लिए भी जाने जाते हैं. 2013 में उन्होंने बीजेपी के साथ 17 साल पुराना गठबंधन तोड़ा था और 2015 में आरजेडी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था. 2017 में उन्होंने आरजेडी से नाता

तोड़कर फिर बीजेपी के साथ गठबंधन किया और 2020 का चुनाव साथ मिलकर लड़ा. 2022 में वह फिर आरजेडी के साथ चले गए, लेकिन जनवरी 2024 में दोबारा बीजेपी के साथ आकर सरकार बना ली. ऐसे में विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी ने साफ कर दिया है कि इस बार नीतीश कुमार ही गठबंधन का चेहरा होंगे.

वहीं, सीएम नीतीश एनडीए गठबंधन को मजबूती देने और जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए वह राज्यभर में दौरे भी कर रहे हैं. पार्टी के विश्वस्त सूत्रों की माने तो भाजपा आलाकमान लगातार नीतीश के साथ संपर्क कर सीटों की तालमेल पर भी गुना भाग शुरू कर चुके है. सूत्रों की माने तो राज्य सरकार की तरफ से इंटेलिजेंस सर्वे कर जीतने और हारने वाले सिटिंग विधायकों की लिस्ट की भी तैयारी शुरू कर दी गई है.

साथ ही भाजपा कितनी और कौन-कौन सी सीटों पर पर चुनाव लड़ेगी और जेडीयू और बाकी पार्टियां किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी इस पर भी चर्चाएं जोरों पर है. साथ ही सीटों पर जातीय समीकरण और संभावित सटीक उम्मीदवारों के बायोडाटा भी मंगवाए जा रहे हैं. सूत्रों के मुताबिक दिल्ली विधानसभा की तर्ज पर भाजपा हर हाल में जीतने वाले उम्मीदवारों पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करेगी।

यूपी के बाद अब महाराष्ट्र में भी बनेंगे लव जिहाद के खिलाफ कानून, फडणवीस ने बनाई कमेटी

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को एक सात सदस्यीय समिति का गठन किया है, जो लव जिहाद के खिलाफ कानून बनाने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करेगी। इस समिति की अध्यक्षता महाराष्ट्र के डीजीपी करेंगे। सरकारी संकल्प के अनुसार, इस समिति में महिला और बाल विकास, अल्पसंख्यक विकास, कानून और न्याय, सामाजिक न्याय और विशेष सहायता विभाग से एक-एक सदस्य होंगे, साथ ही गृह विभाग के दो प्रतिनिधि भी इसमें शामिल होंगे। संकल्प में लव जिहाद शब्द का उल्लेख किया गया है।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पहले कहा था कि महाराष्ट्र धर्मांतरण, खासकर अंतरधार्मिक विवाहों में होनेवाले रूपांतरण (लव जिहाद) के खिलाफ एक कानून लाने की योजना बना रहा है। ऐसे कानून उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में भी बनाया गया है। समाजवादी पार्टी के विधायक रईस शेख ने इस कदम का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास ऐसे मामलों का सांख्यिकीय प्रमाण नहीं है और इस मुद्दे

को जिहाद के रूप में प्रस्तुत कर राजनीतिकरण किया जा रहा है। सरकारी संकल्प में समिति के कार्यों का उल्लेख किया गया है। वर्तमान स्थिति का मूल्यांकन करना, लव जिहाद और जबरन धार्मिक रूपांतरण की शिकायतों का समाधान करना, अन्य राज्यों के कानूनों का अध्ययन करना, कानूनी ढांचे की स्थापना करना और कानूनी प्रभावों की समीक्षा करना इसके प्रमुख काम होंगे। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि जनता, प्रतिनिधियों और संगठनों ने लव जिहाद और जबरन धार्मिक रूपांतरण को रोकने के लिए कानून बनाने की मांग की है। समिति मौजूदा परिस्थितियों का विश्लेषण करेगी और लव जिहाद और जबरन रूपांतरण से संबंधित शिकायतों के समाधान के लिए उपायों की सिफारिश करेगी। साथ ही अन्य राज्यों में बनाए गए कानूनों का अध्ययन करके महाराष्ट्र के लिए उपयुक्त कानून तैयार करेगी। रईस शेख ने कहा, पहले सरकार ने यह प्रस्ताव रखा था कि राज्य में लव जिहाद के एक लाख से ज्यादा मामले हैं, लेकिन वे एक भी ऐसा मामला नहीं ढूंढ पाए जिसमें पुलिस केस दर्ज किया जा सके। इस दावे का समर्थन करने के लिए कोई आंकड़ा उपलब्ध नहीं है और मैंने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाया था। सरकार इस मुद्दे पर राजनीति कर रही है। जब फडणवीस 2023 में महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री थे तो उन्होंने कहा था, कई मामले सामने आए हैं जिसमें लड़कियां शादी करके धर्म परिवर्तन करती हैं। इस पर कानून बनाने की मांग चारों ओर से आ रही है। पहले भी मैंने सदन में इसकी घोषणा की थी।

अब बीजेपी नए अध्यक्ष की ताजपोशी की तैयारी में जुटी

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव के नतीजों और फिर नए सरकार के गठन के बाद विभिन्न राज्यों के विधानसभा चुनाव भी संपन्न हो गए हैं। अब बीजेपी नए अध्यक्ष की ताजपोशी की तैयारी कर रही है। बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा बीते चार सालों से अधिक समय से पार्टी के अध्यक्ष पद पर काबिज हैं। पिछले साल ही उनका कार्यकाल खत्म हो चुका था। लेकिन लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। अब हाल फिलहाल में किसी राज्य में विधानसभा चुनाव भी नहीं होने हैं। ऐसे में पार्टी का अगला अध्यक्ष कौन होगा इस पर मंथन जारी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत मार्च के पहले हफ्ते तक शुरू हो जाएगी। होली (14 मार्च) से पहले पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा। फरवरी के आखिरी तक 18 राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया पूरी होते ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित होगा। भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी कराया जा सकता है जब देश के कम से कम आधे राज्यों के प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव हो जाएं। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक और कार्यकाल देने की जगह पार्टी नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनेगी। हालांकि, भाजपा संविधान के मुताबिक राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए कोई व्यक्ति लगातार दो टर्म के लिए चुना जा सकता है। इस लिहाज से नड्डा तकनीकी रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष

बनने की अहर्ता रखते हैं। इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए दक्षिण भारत से किसी नेता के नाम पर सहमति बनाने का विचार है। क्योंकि, भाजपा का फोकस अब दक्षिणी राज्यों पर है। 20 साल से वहां से कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बना है। 2002-2004 के बीच वेंकैया नायडू (आंध्र) आखिरी थे। इस पर आरएसएस व आनुषंगिक संगठनों से भी चर्चा हो चुकी है। मौजूदा राष्ट्रपति पूर्वी भारत से आती हैं। उप राष्ट्रपति पश्चिम भारत से। प्रधानमंत्री उत्तर भारत (वाराणसी के सांसद) से चुने गए हैं। ऐसे में दक्षिण भारत के किसी नेता को जिम्मेदारी मिलने की संभावना अधिक है। फिलहाल बीजेपी के दक्षिण के दिग्गज नेताओं में प्रहलाद जोशी, एल मुरुगन, जी किशन रेड्डी, के अन्नामलाई, के ईश्वरप्पा, निर्मला सीतारमण शामिल हैं।

पश्चिमी हवाओं से बिगड़ा मौसम का मिजाज, कई राज्यों में बारिश और बर्फबारी के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी। मौसम एक बार फिर से करवट लेता नजर आ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, पश्चिमी हवाएं पूर्वोत्तर भारत से गुजर रही हैं। इसके चलते देश के कई हिस्सों में बारिश होने वाली है। 15-20 फरवरी के दौरान अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होगी। बर्फबारी की भी संभावना है। असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट से लेकर हल्की बरसात हो सकती है। 17 फरवरी से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करेगा। इसके कारण जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, और उत्तराखंड में छिटपुट से लेकर हल्की वर्षा होगी। 18 से 20 फरवरी के बीच राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी बारिश के आसार हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी मौसम बदलता नजर आ रहा है। मौसम विभाग ने दिल्ली में शनिवार को बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27 डिग्री और 11 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। दिल्ली में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 10.7

डिग्री सेल्सियस रहा। आईएमडी के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में दिन के दौरान आर्द्रता का स्तर 66 प्रतिशत से 34 प्रतिशत के बीच रहा। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 134 दर्ज किया गया, जो मध्यम श्रेणी में आता है। राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। अधिकतम तापमान बाड़मेर में 33.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य तापमान से 4.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार, आगामी तीन-चार दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने व तापमान में दो-तीन डिग्री और बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम केंद्र के प्रवक्ता ने बताया कि आगामी दिनों में कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 17 से 20 फरवरी के दौरान बादल छाए रहने का अनुमान है। कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की भी संभावना है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान फतेहपुर में 6.3 डिग्री और संगरिया में 6.5 डिग्री दर्ज किया गया। सीकर में 6.7 डिग्री, करौली में 6.8 डिग्री, दौसा में 7.5 डिग्री, लूणकरणसर में 8.1 डिग्री और माउंट आबू में 8.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

चैम्पियंस ट्राफी 2025:

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी

रोहित, कोहली और इस खिलाड़ी का चैंपियंस ट्रॉफी आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत की तरफ से कई स्टार खिलाड़ी खेलते हुए नजर आएंगे जो अपने क्रिकेट करियर के आखिरी पड़ाव पर चल रहे हैं। अब उन खिलाड़ियों को लेकर टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा कि ये इन खिलाड़ियों का आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो सकता है। आकाश का मानना है कि विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा अपना आखिरी आईसीसी इवेंट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के रूप में खेलेंगे। उन्होंने इसके पीछे का कारण भी बताया।

कोहली, रोहित और जडेजा भारत के लिए टी20 वर्ल्ड कप 2024 में खेले थे और टीम के चैंपियन बनने के बाद इन तीनों ने एक साथ ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। अब आकाश चोपड़ा का मानना है कि इन तीनों खिलाड़ियों के लिए ये आईसीसी का आखिरी इवेंट हो सकता है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए आकाश चोपड़ा ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी इन तीनों खिलाड़ियों के लिए आखिरी आईसीसी इवेंट होगा। इसके लिए उन्होंने इन तीनों की उम्र और उनके करियर के उतार-चढ़ाव का हवाला दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर ये खिलाड़ी भारत के लिए 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलना चाहते हैं तो ये आदर्श स्थिति नहीं होगी।

आकाश चोपड़ा ने कहा कि मैं भारी मन से कह रहा हूंजकि इसकी प्रबल संभावना है। चैंपियंस ट्रॉफी होने वाली है और उसके बाद इस साल एक और आईसीसी इवेंट होगा जो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल है और हम वहां नहीं पहुंचे थे। इसलिए विराट कोहली, रोहित और जडेजा में से कोई भी उसमें नहीं खेलेगा। उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद अगले साल आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, लेकिन तीनों इससे रिटायर हो चुके हैं और वहां भी नहीं खेलेंगे। आकाश चोपड़ा ने इसके बाद कहा कि इसके बाद 2027 में वनडे वर्ल्ड कप खेला जाएगा जो अभी दूर है। 2027 तक दुनिया अलग दिखेगी और काफी कुछ बदल चुका होगा। ऐसे में मुझे ही नहीं इन खिलाड़ियों को भी लग रहा होगा कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 उनका आखिरी आईसीसी इवेंट हो सकता है। आपको बता दें कि कोहली इस वक्त 36 साल के हैं जबकि रोहित शर्मा 37 वर्ष के हैं और दोनों पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से टीम इंडिया की बल्लेबाजी के पिलर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी दोनों से काफी उम्मीदें हैं।

कोई फर्क नहीं पड़ेगा...

बुमराह पर बीसीसीआई के बयान ने मचा दी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में आठ टीमें हिस्सा ले रही हैं. सभी आठ टीमों को अपने स्क्वाड का ऐलान करने के बाद बड़ा झटका लगा है. लगभग सभी टीमों का कोइ ना कोई स्टार खिलाड़ी चोट के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया. सबसे बड़ा झटका टीम इंडिया ने झेला. बैक इंजरी के चलते दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं. इस दिग्गज गेंदबाज की कमी फैंस और टीम इंडिया को इस बड़े टूर्नामेंट में जरूर खलेगी. हालांकि बीसीसीआई का मानना है कि टीम इंडिया को बुमराह की कमी महसूस नहीं होगी. जसप्रीत बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बड़ा बयाना दिया है. उन्होंने कहा कि बुमराह के ना होने पर भी टीम कॉम्बिनेशन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा. सैकिया ने बात करते हुए कहा, 'हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए जिस टीम का सेलेक्शन किया है वो सर्वश्रेष्ठ टीम है. हमारे पास इतनी बड़ी बेंच स्ट्रेंथ है और मुझे नहीं लगता कि इससे (बुमराह के चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने से) टीम कॉम्बिनेशन पर कुछ असर होगा'.

फ्रीस्टाईल चेसः

फिरोजा से हारे गुकेश, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में अंतिम स्थान पर रहे

हैम्बर्ग (जर्मनी), एजेंसी। गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

विश्व चैंपियन डी गुकेश यहां फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में सातवें स्थान के प्लेऑफ मैच की दूसरी बाजी में ईरानी मूल के फ्रांसीसी खिलाड़ी अलीरेज़ा फ़िरोज़ा से हारकर अंतिम स्थान पर रहे। गुकेश इस तरह से इस टूर्नामेंट में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाए और उनके अभियान का निराशाजनक अंत हुआ।

गुकेश और फिरोजा के बीच पहली बाजी ड्रॉ रही थी। भारतीय खिलाड़ी दूसरी बाजी सफेद मोहरों से खेल रहा था लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और 30 चाल तक चली बाजी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस बीच जर्मनी के विंसेंट कीमर ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए खिताब जीता। उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआत में सबसे कमजोर खिलाड़ी माना जा रहा था।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को टूर्नामेंट से पहले खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा था लेकिन आखिर में उन्हें तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों की अंतिम स्थिति इस प्रकार रही- 1. विंसेंट कीमर; 2. फैबियानो कारुआना; 3. मैग्नस कार्लसन; 4. जावोखिर सिंदारोव; 5. हिकारू नाकामुरा; 6. नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव; 7. अलीरेज़ा फ़िरोज़ा; 8. डी गुकेश।

आईएसपीएल सीजन-2- श्रीनगर फाइनल में पहुंची

एलिमिनेटर में हैदराबाद को 8 विकेट से हराया, फाइनल में मुंबई से मुकाबला

मुंबई, एजेंसी। इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग सीजन-2 के एलिमिनेटर में श्रीनगर ने हैदराबाद को 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 10 ओवर में 89/6 का स्कोर बनाया। जवाब में श्रीनगर के सागर अली की फिफ्टी के चलते टीम ने 8.4 ओवर में 92 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। फाइनल में टीम का मुकाबला आज माझी मुंबई से होगा। एलिमिनेटर का टॉस श्रीनगर ने जीता। टीम ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया।

मंसूर ने नाबाद 46 रन बनाए हैदराबाद की शुरुआत खराब रही। टीम ने अपने पहले 5 विकेट मात्र 24 रन पर गंवा दिए। ओपनर किसन सातपुते (6 रन), पदमेश म्हात्रे (5 रन), आकाश जांगिड़ (शून्य रन), परबजोत सिंह (2 रन), विश्वजीत ठाकुर (10 रन) बनाकर आउट हुए। श्रीनगर से राजेश सोरते ने 3 विकेट लिए। मिडिल आर्डर बैट्समैन मंसूर ने हैदराबाद की

पारी को संभाला। उन्होंने तेजी से खेलते हुए 19 बॉल पर 46 रन बनाए। पारी में 3 चौके और 3 छक्के भी लगाए, उनका साथ टीम के कप्तान संभाजी पाटिल ने दिए। उन्होंने 7 रन बनाए।

मंसूर केएल ने 242.10 के स्ट्राइक रेट से 46 रन बनाए। सागर ने एक ओवर में 43 रन बनाए टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर सागर अली ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 26 बॉल पर 53 रन बनाए। पारी में 2 चौके और 5 छक्के लगाए। इन 5 सिक्स में सागर ने विश्वजीत ठाकुर के एक ओवर लगातार 4 छक्के लगा दिए। आईएसपीएल के 50-50 ओवर में सागर और संस्कार की जोड़ी ने 29 रन बनाए। इस ओवर के नियम मुताबिक श्रीनगर को बनाए हुए रन के आधे रन और मिले यानी टीम ने ओवर में जो रन बनाए उसमें 14 रन और जुड़े, कुल 43 रन बने।

सागर अली टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने शुक्रवार को 5 छक्के और 2 चौके की मदद से 53 रन बनाए। क्या होता है आईएसपीएल का 50-50 ओवर आईएसपीएल टूर्नामेंट में हर मैच 10-10 ओवर के होते हैं।

इन 10 ओवर में 2 आईएसपीएल ओवर होता है और एक ओवर 50-50 का होता है। आईएसपीएल ओवर्स में बॉलर को नई बॉल होती हैं, जिसपर टेपिंग हुई होती हैं। यह बॉल पिच से पढ़कर एक ही तरफ स्विंग होती हैं। वहीं 50-50 ओवर बल्लेबाजी कर रही टीम डिसाइड करती हैं की उसे 10 ओवर के बीच का यह ओवर लेना हैं। इस ओवर में बैटिंग टीम अपने लिए एक टारगेट सेट करती हैं।

उदाहरण के लिए मान लीजिए किसी टीम ने 50-50 ओवर का टारगेट 10 रन सेट किया हैं

पुलवामा हमले में शहीद हुए जवान के बेटे का अंडर-19 टीम में चयन... वीरेंद्र सहवाग ने बताई कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी। पुलवामा में हुए आतंकी हमले को 6 साल पूरे हो चुके हैं. 14 फरवरी 2019 को जैश-ए-मोहम्मद के एक आतंकी ने विस्फोटक से लदे वाहन को आरपीएफ जवानों की बस से टक्कर मार दी थी. इस टक्कर के बाद एक जोरदार धमाका हुआ. हमले में 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे.

सहवाग ने लिया था ये फैसला...

पुलवामा हमले के बाद टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने एक दिल जीतने वाला फैसला लिया था. सहवाग ने पुलवामा आतंकवादी हमले में शहीद हुए सीआरपीएफ जवानों के बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाने की जिम्मेदारी ली. सहवाग ये जिम्मेदारी बखूबी निभा रहे हैं. राहुल सोरेंग और अर्पित सिंह झज्जर स्थित सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई करते हैं. राहुल के पिता विजय सोरेंग और अपित सिंह के पिता राम वकील उस आतंकवादी हमले में शहीद हो गए थे. राहुल सोरेंग तो अब क्रिकेट की दुनिया में भी अपनी पहचान बना रहे हैं. राहुल सोरेंगे का चयन हाल ही में हरियाणा अंडर-19 टीम में हुआ है. इसकी जानकारी वीरेंद्र सहवाग ने खुद दी है. वीरेंद्र सहवाग ने पुलवामा अटैक की छठी बरसी पर एक मार्मिक पोस्ट शेयर किया. सहवाग ने लिखा, इस दुखद दिन को 6 साल हो गए है.

ब्राइटन के खिलाफ चेल्सी की 0-3 से हार के बाद मारेस्का ने बताया इसे सबसे खराब प्रदर्शन

ब्राइटन, एजेंसी। चेल्सी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने अपनी टीम की हार पर नाराजगी व्यक्त की है। उनकी टीम को शुक्रवार को ब्राइटन एंड होव एल्बियन के खिलाफ 0-3 की करारी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इसे अपनी टीम का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन बताया। चेल्सी पूरे मैच में एक भी सही शॉट नहीं लगा सकी और कोई गोल नहीं हुआ। इस मैच में ब्राइटन के काओरू मितोमा ने शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद यानकुबा मिन्टेह ने दो और गोल दागे और ब्राइटन ने आसानी से जीत हासिल कर ली। चेल्सी पूरे मैच में आक्रामक खेल नहीं दिखा पाई।

मारेस्का ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, जब से मैं आया हूं, यह सबसे खराब प्रदर्शन है, खासकर ऐसे समय में जब हम अच्छे स्थान पर थे। हम लीग में चौथे स्थान पर हैं और अगर हम यह मैच जीतते, तो तीसरे स्थान से सिर्फ एक अंक दूर होते और बाकी टीमों से फासला बढ़ा सकते थे। लेकिन हमने जिस तरह का खेल दिखाया, वह बिल्कुल भी सही नहीं था। हम इस हार से बहुत दुखी हैं और प्रशंसकों से माफी चाहते हैं। कई अहम अटैकिंग खिलाड़ी चोट के कारण नहीं खेल रहे थे, जिससे टीम और कमजोर दिखी। 45 वर्षीय इटालियन कोच ने कहा, पहले 30 मिनट तक हमने अच्छा नियंत्रण रखा, लेकिन मितोमा का गोल होने के बाद हम जल्दी मौके देने लगे और खुद अच्छे मौके बना नहीं पाए।

तिराना टूर्नामेंट से बाहर रह सकते हैं भारतीय पहलवान, मंत्रालय-महासंघ ने एक-दूसरे पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था।

भारतीय पहलवान अल्बानिया में वर्ष की दूसरी रैंकिंग सीरिज से बाहर रहेंगे चूंकि खेल मंत्रालय ने यह कहकर मंजूरी रोक दी कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने समय पर जरूरी अनुशंसा जमा नहीं की जबकि महासंघ ने इस आरोप को खारिज किया। मंत्रालय और निलंबित डब्ल्यूएफआई के बीच मतभेदों के चलते भारतीय पहलवान क्रोएशिया के जगरेब में पहली रैंकिंग सीरिज से बाहर रह चुके हैं।

दूसरा रैंकिंग सीरिज टूर्नामेंट 26 फरवरी से दो मार्च तक अल्बानिया में होगा। मंत्रालय ने दिसंबर 2023 को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय कुश्ती से उसे मान्यता मिली हुई है। उसने 30 जनवरी को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को प्रस्ताव भेजा था। डब्ल्यूएफआई ने ऐन मौके पर प्रस्ताव भेजा और प्रस्तावित नाम भेजने में भी विलंब हुआ। इसलिए मंजूरी नहीं दी जा सकी।

नेशनल गेम्स 2025:

ओडिशा सरकार का तोहफा, पदक जीतने वाले राज्य के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देगी

भुवनेश्वर, एजेंसी। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

ओडिशा सरकार ने उत्तराखंड में रविवार को संपन्न हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में ओडिशा के खिलाड़ियों ने 14

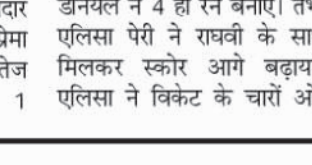

स्वर्ण, 15 रजत और 17 कांस्य सहित कुल 46 पदक जीते। राज्य ने पदक तालिका में 12वां स्थान हासिल किया। राज्य के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओडिशा सरकार ने स्वर्ण पदक विजेताओं के लिए छह लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं के लिए चार लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए तीन लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है।

ओडिशा के खेल मंत्री सूर्यबंशी सूरज ने कहा, ओडिशा ने राष्ट्रीय खेलों में अपनी छाप छोड़ी है और वह पदक तालिका में शीर्ष 15 राज्यों में शामिल रहा। 14 स्वर्ण सहित 46 पदक जीतना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मैं सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देता हूं। सेना के कुल 121 (68 स्वर्ण, 26 रजत और 27 कांस्य) पदक हो गए।

डब्ल्यूपीएल 2025:

ऋचा घोष की तूफानी पारी, 6 विकेट से जीती आरसीबी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्मृति मंधाना के नेतृत्व में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला टीम ने गुजरात जायंट्स को वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में चल रहे मुकाबले में 6 विकेट से हरा दिया। गुजरात ने पहले खेलते हुए मजबूत शुरूआत की थी। बेथ मूनी ने 56, एशले गार्डनर ने 79 रन बनाकर स्कोर 201 तक पहुंचाया। जवाब में खेलने उतरी आरसीबी ने खराब शुरूआत के बावजूद एलिसा पेरी और ऋचा घोष के अर्धशतकों की मदद से यह मुकाबला 19वें ओवर में जीत लिया।

गुजरात जाइंट्स:201/5 (20 ओवर)

गत चैम्पियन आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। स्कोर बोर्ड पर जब 41 रन टंगे थे तब लौरा वोल्वार्ट और डी हेमलता पवेलियन लौट गए लेकिन गार्डनर और मूनी ने टीम को इन झटकों से निकाला। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 44 रन जोड़े। मूनी को लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने आउट किया जिनका कैच मंधाना

ने लपका। गार्डनर ने इसके बाद वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डोटिन (13 गेंद में 25 रन) के साथ 5 ओवर में 67 रन जोड़े। डोटिन ने अपनी आक्रामक पारी में 3 चौके और 1 छक्का लगाया। महिलाओं की एशेज श्रृंखला से ही शानदार फॉर्म में चल रही गार्डनर ने प्रेमा और भारत की अंडर 19 तेज गेंदबाज वीजे जोशिता को 1 ओवर में 3 छक्के लगाए। डोटिन को तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर ने आउट किया लेकिन तब तक गुजरात की टीम बड़ा स्कोर बना चुकी थी। रेणुका ने 25 रन देकर 2 विकेट लिए।

आरसीबीः 202-4 (18.3 ओवर)

लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरूआत खराब रही। कप्तान स्मृति मंधाना ने 9 तो डेनियल ने 4 ही रन बनाए। तभी एलिसा पेरी ने राघवी के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। एलिसा ने विकेट के चारों ओर शॉट लगाए और 34 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्कों की मदद से 57 रन बनाए। वहीं, राघवी ने 27 गेंदों पर 25 रनों का योगदान दिया।

स्कोर जब 109 रन पर चार विकेट था तब ऋचा घोष और कनिका ने स्कोर संभाला। ऋचा तो इस दौरान अलग ही लय में दिखी। उन्होंने 27 गेंदों पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। वहीं, कनिका ने 13 गेंदों पर 30 रन बनाकर 19वें ओवर में ही अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिला दी।

कोतवाली पुलिस द्वारा किया गया अंधे कत्ल का खुलासा

पति पत्नी गिरफ्तार, भाई फरार

पन्ना। कोतवाली पुलिस द्वारा लगभग एक सप्ताह पूर्व हुए एक अंधे हत्या कांड का खुलासा किया है, तथा हत्या करने वाले आरोपीयों में पति पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा आरोपी का भाई अभी फरार है। जानकारी के अनुसार दिनांक 4 फरवरी को मनीराम उर्फ मुनीर खान उम्र 65 वर्ष का शव रक्तरंजित हालत मे धरमसागर तालाब के पास पहड़िया में मिला था, जिसकी रिपोर्ट म्रतक के शोतेले पुत्र इनायत खान पिता जमाल खान द्वारा कोतवाली पन्ना में की गई थी, सूचना मिलते ही एसडीओपी एसपी सिंह बघेल, थाना प्रभारी रोहित मिश्रा, द्वारा पुलिस बल के साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया था तथा म्रतक के शव का पंचनामा बनवाकर पोस्ट मार्टम कराया गया था, म्रतक के अनेक अंगो मे धारदार हथियार से हत्या किये जाने के निशान पाये गये थें, जिस पर पुलिस ने घटनास्थल पहुंचकर एफ.एस.एल. टीम एवं डॉग स्कावयड टीम के निर्देशन में घटना स्थल एवं शव के निरीक्षण उपरान्त शव का पोस्टमार्टम कराया गया एवं अपराध क्रमांक 125/25 धारा 103(1) बीएनएस. कायम कर विवेचना में लिया गया था। थाना प्रभारी कोतवाली रोहित मिश्रा द्वारा मामले की तसीश की गई तथा वरिष्ट अधिकारीयों के निर्देशन में टीम गठित की गई। जिसमें पुलिस टीम द्वारा कस्बा पन्ना में लगे सी. सी. टी.व्ही. कैमरो के फुटेज चेक किया और मृतक के मोहल्ला व आसपड़ोस के लोगो से पूछताछ किया तो जानकारी मिली कि एक महिला और पुरुष पिछले कुछ दिनों से मृतक मनीराम के घर आते जाते रहते थे, किंतु उक्त व्यक्तियो की पहचान नही हो सकी। विवेचना के दौरान सीसीटीव्ही फुटेज और साइबर सेल पन्ना से प्राप्त जानकारियों के आधार पर पाया गया कि उक्त संदेहियों मे एक आरोपी पहले से भी हत्या का आरोपी है और सतना में जेल से पेरोल पर अंतरिम जमानत से फरार चल रहा है, जिस संबंध में सेंट्रल जेल सतना, थाना सिटी कोतवाली सतना, थाना सिविल लाइन छतरपुर से संदेहियों के संबंध में अधिक से अधिक जानकारियां संकलित की गई, आरोपी बहुत शातिर था उसने पहले से ही सीसीटीवी कैमरे में निगाहे रखी हुई थी जिनसे बचते हुये इस कार्य को अन्जाम दिया था। उक्त मामले मे पुलिस ने तीन लोगो को आरोपी बनाया है, जिसमें सुनील पांडेय पिता महेश प्रसाद पांडेय उम्र 45 वर्ष निवासी सिद्धार्थ नगर सतना हाल छतरपुर, अर्चना पांडेय पति सुनील पांडेय उम्र 43 वर्ष निवासी ग्राम ककरहटी हाल छतरपुर, राम लखन पाण्डेय पिता महेश प्रसाद पांडेय उम्र 60 वर्ष निवासी सिद्धार्थ नगर सतना। जिसमें पति पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा आरोपी का भाई फरार है। म्रतक की हत्या उक्त आरोपीयो द्वारा घर पर कुल्हाड़ी से की गई थी तथा बाद मे उसे धरमसागर पहड़िया के पास फेंक दिया गया है। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त 01 कुल्हाडी, 7 हजार रुपये नगद बरामद किये है। उक्त संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक रोहित मिश्रा, चौकी प्रभारी सिविल लाइन शक्ति प्रकाश पाण्डेय, एएसआई रामकृष्ण पांडेय, मानसिंह, प्रधान आरक्षक लक्ष्मी नारायण यादव, वृषकेतु रावत, सत्येंद्र बागरी, अशोक सिंह सवेंद्र, शिवस्वरूप, आरक्षक संदीप पटेल अभिषेक यादव, नीलेश प्रजापति, शिव प्रताप, फेरन, सत्यम अग्निहोत्री, सुजीत यादव, योगेंद्र सिंह, विनय महिला प्रधान आरक्षक कल्पना, उर्मिला, म. आरक्षक रंजना, यज्ञवती एवं साईबर सेल पन्ना से प्र.आर. राहुल सिंह बघेल, आशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र सिंह राजावत, आर. राहुल पाण्डेय एवं नितिन नवराज का सराहनीय योगदान रहा।

गुनौर विधानसभा के विभिन्न बिन्दुओं को लेकर नेता प्रतिपक्ष को सौपा ज्ञापन

पन्ना। पन्ना जिले के भ्रमण पर आये मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का स्थानीय सर्किट हाउस में ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षो द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। तत्पश्चात् अमानगंज विधानसभा क्षेत्र से संबंधित अनेक बिन्दुओं का ज्ञापन सौपा गया है।

जिसमें मुख्य रूप से जेके सीमेंट प्लांट में तहसील अमानगंज एवं सिमरिया के किसानो के सस्ते दामो पर जमीने खरीदी गई, तथा रोजगार देने का वादा किया गया था, लेकिन नहीं दिया गया। अमानगंज स्वास्थ केन्द्र को शिविल अस्पताल मे उन्यन कराया जाये, अमानगंज तहसील के 47 पटवारी हल्का ग्राम विधानसभा पन्ना एवं पवई आदि से दूरी है, जो अमानगंज के करीब है इस लिए स्वास्थ केन्द्र में डॉक्टर पदस्थ किये जाये, इस प्रकार अनेक बिन्दुओं से संबंधित ज्ञापन सौपकर विधानसभा मे उठाने की मांग की गई है। स्वागत करने वालो तथा ज्ञापन देने वालो मे मुख्य रूप से ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमानगंज अध्यक्ष भभूत सिंह राजपूत ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र नगर आनंद शुक्ला गुनौर ब्लॉक अध्यक्ष अरुण कुमार गौतम ब्लॉक कांग्रेस नगरपरिषद उपाध्यक्ष अमानगंज ब्लॉक संगठन प्रभारी महामंत्री सौरभ दुबे पूर्व विधायक महेंद्र सिंह बागरी पूर्व प्रत्याशी जीवनलाल सिद्धार्थ राजेश छिरोलया, गुड्डे छिरोलया, संजय तिवारी, केशरी अहिरवार, चन्दन सिंह, रम्मुमणि यादव, राज किशोर जय कुमार कुशवाहा, ओम प्रकाश अहिरवार, मुन्ना महराज सहित भारी संख्या में गुनौर विधानसभा क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता शामिल रहें।

किसान को मिला बेशकीमती नायाब हीरा

पन्ना। पन्ना जिले की धरती पर लगातार बेशकीमती नायाब हीरे उत्थली हीरा खदान खोदने वाले तुआदारो को मिल रहें है तथा लगातार गरीब लोगो की किस्मत चमक रहीं है। इसी कड़ी में ग्राम गहरा निवासी ठाकुर प्रसाद यादव उर्फ लड़कू को 4.24 कैरिट का नायाब हीरा मिला है, उक्त हीरा खदान में और भी साथी हिस्सेदार थें, हीरा मिलने पर सभी खुश नजर आ रहे है। उक्त हीरा को संबंधितो द्वारा 14 फरवरी को जिला हीरा कार्यालय में जमा किया गया है। संबंधित हीरा की कीमत लगभग 15 लाख से अधिक है।

परिक्षेत्र शाहनगर में प्रदेश व्यापी तीन दिवसीय गिद्ध गणना को लेकर प्रशिक्षण संपन्न

सभी कर्मचारी तनमयता के साथ शासन के निर्देशो का पालन करते हुए गणना करायेः शिवहरे

पन्ना

मध्य प्रदेश शासन वन विभाग द्वारा गिद्धो की गणना कराई जा रहीं है, जिसमें शाहनगर वन परिक्षेत्र अन्तर्गत 17,18, एवं 19 फरवरी को प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना की जायेगी, उक्त गणना के संबंध में मुख्यालय शाहनगर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें वनमंडलाधिकारी अनुपम शर्मा के निर्देशानुसार परिक्षेत्र अधिकारी डॉक्टर आनन्द शिवहरे नें अधीनस्थ समस्त वन कर्मचारियों को गिद्ध गणना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई है। उन्होने कहा कि गिद्ध गणना से संबंधित प्रपत्रों को किस प्रकार भरना है, तथा गणना के समय एवं सावधानियों से भी अवगत कराया गया है। विगत वर्ष गिद्ध गणना में देखे गए गिद्ध बीट बोरी, रमगढ़ा एवं धौवापुरा में गिद्धों के घोंसले आवास आदि के बारे में जानकारी एकत्रित करने हेतु निर्देशित किया। उक्त कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न करने हेतु सभी को प्रशिक्षण देकर निर्देशित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिक्षेत्र के सभी बीटों के प्रभारी, परिक्षेत्र सहायक, नव नियुक्त वनरक्षक एवं स्थाई कर्मी उपस्थित रहे।

आदिवासी वनवासी दलित अल्पसंख्यक महासंघ ने नेता प्रतिपक्ष का किया जोरदार स्वागत

अम्बेडकर चौक में सैकड़ों की संख्या में आदिवासी हुए एकत्रित

पन्ना। पन्ना अम्बेडकर चौक में मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का आदिवासी वनवासी दलित अल्पसंख्यक महासंघ ने जोरदार स्वागत किया। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का काफिला शहर के अम्बेडकर चौक पहुंचा। अम्बेडकर चौक में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर मल्यार्पण किया। उसके बाद जगदेव सिंह खज्जू राजा अध्यक्ष व अनीस खान संयोजक व कार्यकारी जिला अध्यक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में फटाखे फोडकर ढ़ोल नगाडों के साथ परम्परागत पत्तों की माला पहनाकर नेता प्रतिपक्ष का स्वागत किया। स्वागत के दौरान आदिवासी वनवासी दलित अल्पसंख्यक महासंघ के सैकडों पदाधिकारी व आदिवासी भाई उपस्थित रहे। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष से आदिवासी भाईयों ने मांग रखी कि वन अधिकार अधिनियम कानून के तहत पट्टों का वितरण किया जाये, जो व्यक्तिगत दावे एवं सामुदायिक दावे व भूमि के पट्टे आदिम जाति कल्याण विभाग के द्वारा खारिज कर दिये गये है उनकी पुनः जांच कराई जाये और वर्षो से काविज आदिवासी भाईयों का पट्टे वितरित किये जाये, ग्राम खिरवा के आदिवासी भाईयों के पात्र होने के बाद भी पट्टों का वितरण नही किया जा रहा है। मांगो पर उमंग सिंघार ने कहा कि इस संबंध में शासन स्तर पर कार्यवाही के लिए विधानसभा में प्रश्न लगाया जायेगा, जिससे आदिवासी भाईयों को उनका अधिकार मिल सकें। नेता प्रतिपक्ष के सामने ग्राम कटहरी बिलहटा, कूडन, गहदरा आदि के सैकडों की संख्या में आदिवासियों ने केन बेतवा लिंक परियोजना में मुआवजा विसंगतियों को दूर करने की मांग रखी। जिस पर नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा में प्रश्न उठाये जाने के साथ ही एसडीएम पन्ना से बात कर विसंगतियों को दूर कर उचित मुआवजा राशि देने की बात कही।

इस दौरान मुख्य रूप से सुजान सिंह आदिवासी, अनुज आदिवासी, सुरेन्द्र आदिवासी, गनपत आदिवासी, रम्मू आदिवासी, हल्काई आदिवासी, राम भरोसे आदिवासी, भान सिंह आदिवासी, सूरज आदिवासी, धूप सिंह आदिवासी, पवन आदिवासी, लाल साहब आदिवासी, अमोल आदिवासी, राम सिंह आदिवासी, कदिर खान, एजाज खान, पिंटू खान, फैज मोहम्मद, फयाज मोहम्मद, शिव लाल सेन, सुरेन्द्र सेन, राम चरण कुशवाहा, बाल किशोर शर्मा, पुष्पेन्द्र सिंह, रामदीन चौरसिया, सुशील मिश्रा, उमाशंकर तिवारी, संतू मिश्रा, राकेश गर्ग, रामकृष्ण मिश्रा, रामदास जाटव, मुन्नी लाल वंशकार, गीता वंशकार, मनीषा मरावी, अजय धुर्वे, सरदार सिंह आदिवासी कल्दा, गुमान सिंह यादव, अजय लोधी, लखन लोधी चैन सिंह राठौर, भारत सिंह आदिवासी, मृत्युजंय आदिवासी सहित कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में आदिवासी वनवासी दलित अल्पसंख्यक महासंघ ने संविधान निर्माता बाबा भीम राव अम्बेडकर जी का चित्र नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को भेट किया।

चित्रकूट में लगातार उमड़ रहा है आस्था का सैलाब, फिर पहुंचे 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु

सतना। महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने और लौटने वाले श्रद्धालुओं से पवित्र नगर चित्रकूट के साथ मां शारदा शक्तिपीठ मैहर में लगातार चहल-पहल बनी हुई है। हर रोज लाखों भक्त दोनों ही स्थानों पर पहुंच रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन के साथ पुलिस के लोग सुचारू व्यवस्था बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। हालांकि पूर्व के दिनों की अपेक्षा शुक्रवार संख्या कम रही, मगर भीड़भाड़ फिर भी बनी रही। अकेले चित्रकूट में ही 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे, जो पवित्र मंदाकिनी नदी में डुबकी लगाने के बाद कामदगिरि परिक्रमा, हनुमान धारा, गुप्त गोदावरी और सती अनुसुइया में दर्शन करने गए।

हालात ऐसे हो गए थे कि गुप्त गोदावरी में निर्धारित समय के बाद भी 3 से 4 हजार यात्री आए, जिन्हें बिना दर्शन किए ही लौटना पड़ा। चित्रकूट से हनुमान धारा होते हुए देवांगना के रास्ते पर जाम की स्थिति बनी रही, तो स्टेट हाइवे पर पिंड्रा के पास देर शाम को लंबा जाम लग गया था। थाना प्रभारी आदित्य धुर्वे ने बताया कि सतना की तरफ से लगातार आ रहे भारी वाहनों के कारण यातायात पर दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति बन गई थी। ऐसे में हालात काबू करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क कर बगहा प्वाइंट पर बड़ी गाडियों को रुकवाया गया है, ताकि पिंड्रा से बरौंधा की तरफ डायवर्ट किए जा रहे वाहनों को निकालकर आवागमन सामान्य कराया जा सके। मां शारदा शक्तिपीठ मैहर में भी सुबह से लेकर पट बंद होने तक भक्तों का तांता लगा रहा। दिनभर में सवा लाख लोगों ने दर्शन लाभ प्राप्त किए। इस दौरान सीढ़ियों से 1 लाख 3 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, तो 22 हजार के करीब दर्शनार्थी रोपवे और वैन के जरिए त्रिकूट पर्वत पर जाकर दर्शन कर पाए। मैहर नगर और मेला क्षेत्र की सभी पार्किंग दर्शनार्थियों के वाहनों से फुल हो गईं थीं।

नवयुवक ने फांसी के फंदे पर झूलकर मौत को गले लगाया

पन्ना। पवई थाना अंतर्गत मुड़वारी ग्राम में शाम 5 बजे के करीब सचिन रजक पिता राजकुमार उर्फ बबलू रजक उम्र 21 वर्ष ने अपने घर पर ही फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक के पिता बाहर मजदूरी करने तथा मां खेत गई हुई थी। सूना घर पाकर मृतक फांसी के फंदे पर झूल गया। जैसे ही परिजन घर आए वैसे ही चीख पुकार मच गई। फिलहाल मृतक ने यह कदम किसलिए उठाया कारण अज्ञात है। पुलिस ने म्रतक को फासी के फंदे से उतारकर पंचनामा बनाया तथा पीएम के लिए पवई स्वास्थ केन्द्र भेजा गया है एवं मर्ग कायम कर विवेचना मे लिया है।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनकर जमकर नाचे श्रोता

पन्ना। पन्ना जिला मुख्यालय में पन्ना नाका स्थित महराज सिंह कालोनी में सप्त दिवसीय भागवथ कथा पत्रकार राकेश पान्डेय के निवास पर चल रहीं है, जिसमें मुख्य यजमान के रूप मे उनके माता पिता श्री कन्हैया लाल तथा श्रीमती कस्तुरी बाई पान्डेय द्वारा कथा का श्रवण किया जा रहा है। कथा वाचक पंडित अनिल अग्निहोत्री जी महराज वृदांवन द्वारा प्रतिदिन बड़े ही मार्मिक ढंग से कथा का रसपान श्रोताओं को कराया जा रहा है। श्रोता उनके मुखार बिन्दों से सुनाई जा रही कथा को बड़े ही अच्छे ढंग से आत्म सात कर रहें है। आज पांचवे दिन 14 फरवरी को कृष्ण जन्मोत्सव की कथा का वाचन उनके द्वारा किया गया तथा किस प्रकार भगवान कृष्ण जी ने जेल के अन्दर जन्म लिया तथा उन्हे मथुरा से गोकुल पंहुचाने तक की सारी कथा को सुनाया गया, जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर होते हुए नाचने लगें, कथा प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शांयकाल सात बजे तक चलती है। आज 15 फरवरी को बाल लीला माखन चोरी, एवं गोवर्धन पूजन की कथा वर्णन किया जायेगा। पान्डेय परिवार द्वारा सभी श्रोताओं से कथा का रसपान करने प्रतिदिन उपस्थित होने का विनम्र अनुरोध किया है।

आदिवासी दलित क्रांति सेना ने वन अधिकार के पट्टे गरीब आदिवासियों को दिये जाने को लेकर नेता प्रतिपक्ष को सौंपा ज्ञापन

पन्ना। पन्ना प्रवास पर आये मध्य प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को आदिवासी दलित क्रांति सेना के संयोजक केपी सिंह बुंदेला के नेत्रत्व में ज्ञापन सौपकर पन्ना जिले के गरीब आदिवासीयों, वनवासीयों को वनाधिकार के पट्टे दिलाये जाने की मांग की गई। ज्ञापन मे उल्लेख किया गया कि तत्कालीन केन्द्र सरकार द्वारा देश के सभी आदिवासी वनवासीयों को वनाधिकार पट्टे दिये जाने के आदेश दिये गये थें, लेकिन पन्ना जिले के अधिकारी गरीब आदिवासीयों, वनवासीयों को उनकी जमीन मकान के पट्टे नहीं दे रहे है तथा वन विभाग के अधिकारी उन्हे लगातार परेशान कर रहें है। जिले में शाहनगर तहसील, रैपुरा तहसील, सिमरिया तहसील, पवई तहसील, गुनौर तहसील, अमानगंज, अजयगढ़ तहसील, पन्ना तहसील के अन्तर्गत हजारो आदिवासी वर्ग के लोग पैत्रिक समय से जंगल में ही रह रहे है, इस लिए उन्हे वनाधिकार के तहत पट्टे तत्काल दिलाये जाये, लेकिन सरकार तथा प्रशासन इस ओर कोई कदम नहीं उठा रहा है, उल्टा वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी आदिवासी वर्ग को लगातार प्रताड़ित कर रहा है। उक्त संबंध में नेता प्रतिपक्ष नें कलेक्टर से बात करते हुए पट्टे वितरण करने के लिए कहा है। आंगे देखना है कब तक गरीब आदिवासीयों को पट्टे मिलते है।

बरोली ग्राम में चल रहा वर्षो से अवैध स्टोन क्रेसर

खुलेआम तांडव जारी, बिना शासन की स्वीकृत के परिहार स्टोन क्रेसर किया जा रहा संचालित

पन्ना। प्रदेश सरकार के मुखिया माफियाओ पर कड़ी कार्यवाही करने का ढिढोंरा पीट रहे है, लेकिन पन्ना जिले में सभी प्रकार के माफिया खुलेआम ताडंव मचाये हुए है, रेत माफिया, पत्थर, माफिया, भू माफिया, शिक्षा माफिया, का बोलबाला है, कोई कुछ भी कर रहा है, पन्ना जिला प्रशासन के द्वारा संबंधित माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्यवाही नहीं की जा रही है, जिससे उनके होसले बुलंद है, तथा उन माफियाओं को सत्ताधारी दल के जन प्रतिनिधियों का भी संरक्षण मिल रहा है। इसी लिए पन्ना जिला माफियाओं का गढ़ बनता जा रहा है। इसी प्रकार का मामला अजयगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम बरौली (खरौनी पुरवा) से सामने आया है जहाँ पर छतरपुर जिले के एक माफिया के द्वारा अवैध तरीके से क्रेसर लगाकर पहाड़ो मे वर्षो से उतखनन किया जा रहा है और कोई भी प्रशासनिक अधिकारियो द्वारा आज तक कोई कार्यवाही नही की है। ग्रामीणों द्वारा पिछले 3-4 वर्षो से अवैध संचालित क्रेसर की शिकायत लगातार की है। लेकिन उसके बावजूद माफिया का गठजोड़ इतना मजबूत है की अधिकारियो द्वारा जाँच का हवाला देकर मामले को लीपा पोती कर ठन्डे बस्ते मे रख देते है। जब पत्रकारो की टीम बरौली गाँव पहुंची और ग्रामीणों से मुलाक़ात की तब ग्रामीणों ने मीडिया के सामने अपनी आप बीती बताई ग्रामीणों का आरोप है की पिछले 3-4 वर्षो से लगातार शिकायत की जा रही है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हो रही है हम लोगो दहशत मे है पत्थरो की चट्टानों मे ब्लास्टिंग की जाती है जिससे पत्थर हमारे घरों मे गिरते है जो हमें खतरा है पिछले वर्ष एक लड़की की शादी हो रही थी और मंडप के नीचे कार्यक्रम चल रहा है तभी क्रेसर वालो ने बिलास्टिंग की थी जिससे पत्थर मंडप के पास गिरा था जिससे लोग बाल बाल बचे थे नहीं तो काल के गाल मे समा जाते।

ग्रामीणों के द्वारा तहसीलदार से लेकर कलेक्टर व पूर्व मे प्रदेश के खनिज मंत्री से भी कई बार शिकायत कर चुके है जहाँ तक ग्राम पंचायत के प्रस्ताव रजिस्टर मे शिकायत दर्ज कराकर कार्यवाही की मांग की गई है लेकिन माफिया के खिलाफ कोई सख्त कार्यवाही नहीं हो सकी। ग्रामीणों का आरोप है की अगर अब कोई व्यक्ति कही शिकायत करने जाता है तो क्रेसर संचालक माफिया के द्वारा झूठे मुक़दमे दर्ज कराने व मार पीट करने की धमकियां दी जाती है।

सिटी टाइगर

विन्ध्य टाइगर | सीधी, रविवार 16 फरवरी 2025 | 8

टीआरएस महाविद्यालय रीवा के समाज कार्य विभाग द्वारा बाल अधिकार विषय पर आईक्यूएसी की फ्लैगशिप चेतना के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

बाल अधिकार हमारे समाज की नींव : डॉ. अर्पिता

बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु आयोजित हुआ संवाद कार्यक्रम

रीवा। म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा के समाज कार्य विभाग द्वारा बाल अधिकार विषय पर आईक्यूएसी की फ्लैगशिप चेतना के अन्तर्गत प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में संवाद कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में श्री जीवेन्द्र सिंह, परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग रीवा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल विभाग अध्यक्ष समाज कार्य विभाग के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने कहा कि बाल अधिकार: हमारे समाज की नींव हैं। उन्होंने बताया कि बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए केवल कानूनी प्रावधान ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज में एक बदलाव की आवश्यकता है।

समाज को बच्चों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें हर स्तर पर सुरक्षा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे बाल अधिकारों की रक्षा के लिए समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करें और बच्चों के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें। मुख्य वक्ता के रूप में बाल अधिकारों के विशेषज्ञ जीवेन्द्र सिंह ने बच्चों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा पर महत्वपूर्ण उद्बोधन दिया। इस अवसर पर उन्होंने बालकों के प्रति समाज की जिम्मेदारी और कानूनों की अहमियत पर गहरी चर्चा की। अपने उद्बोधन में जीवेन्द्र सिंह ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में बाल अधिकार दिवस की उपादेयता को व्याख्यांकित किया उन्होंने बताया कि बच्चों को जीवन की प्रारंभिक अवस्था में ही शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान के अधिकार मिलते हैं। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय संविधान में दिए गए बाल अधिकारों का उल्लेख किया, जिनमें बच्चों को बाल श्रम से बचाने, उन्हें शिक्षा देने, और उनकी शारीरिक और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात की गई है। जीवेन्द्र सिंह ने बच्चों के लिए बनाए गए कानूनी ढांचे, जैसे कि बाल संरक्षण आयोग और बाल अधिकारों की राष्ट्रीय नीति की चर्चा करते हुए बताया कि ये सभी कदम बच्चों को एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग ने विद्यार्थियों को इस मुद्दे पर और अधिक जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। समाज कार्य विभाग की डॉ प्रियंका तिवारी ने इस व्याख्यान का संचालन किया और कहां की बाल अधिकारों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे आयोजन बेहद जरूरी हैं, ताकि हम एक बेहतर और सुरक्षित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ा सकें। आभार प्रदर्शन डॉ गुंजन सिंह के द्वारा किया गया।

व्याख्यान की इस श्रंखला में श्री राजराखन पटेल, ब्लाक समन्यवयक कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन्स फाउन्डेशन, उमा दुबे, शुभी सोनी, अंकित पाण्डेय, सुरभी गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में डॉ. एस.पी.शुक्ल, डॉ. भूपेन्द्र सिंह, डॉ. नागेश त्रिपाठी, डॉ. एस.पी.सिंह, डॉ. मुकेश शाह, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. वन्दना त्रिपाठी, समाजसेवी चक्रपाल मिश्रा, योगेश निगम आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय भाग लिया और जिवेन्द्र सिंह से बाल अधिकारों पर सवाल पूछे, जिससे उन्हें इस महत्वपूर्ण विषय पर अधिक समझ प्राप्त हुई। इस व्याख्यान ने विद्यार्थियों में बाल अधिकारों के प्रति गहरी जागरूकता पैदा की और उन्हें इस दिशा में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन के निर्देश

रीवा। प्रदेश के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का वेतन कोष एवं लेखा के आईएफएमआईएस पोर्टल के माध्यम से तैयार होता है। पोर्टल में प्रत्येक शासकीय सेवक की इम्पलाई प्रोफाइल बनी हुई है जिसमे समस्त विवरण दर्ज हैं। संचालक कोष एवं लेखा में इम्पलाई प्रोफाइल को समग्र आईडी से सत्यापित करने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में जिला कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र शुक्ला ने बताया कि सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी तथा कार्यालय प्रमुख उनके अधीन पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन करके आधार संख्या से लिंक कराएं। सभी शासकीय कर्मचारी इम्पलाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को दर्ज कर सत्यापित कर सकते हैं। शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा 28 फरवरी 2025 तक सभी कर्मचारियों की इम्पलाई प्रोफाइल का समग्र आईडी से सत्यापन कराने का अनुरोध किया गया है।

राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा आज, 12 केन्द्रों में होगी परीक्षा

रीवा

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की वर्ष 2025 की प्रारंभिक परीक्षा 16 फरवरी को आयोजित की गयी है। परीक्षा दो पालियों में प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक आयोजित की जाएगी। इस संबंध में परीक्षा प्रभारी एवं संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने बताया कि रीवा जिले में प्रारंभिक परीक्षा के लिए 12 परीक्षा केन्द्र राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित किए गए हैं। इनमें गवर्मेंट हायर सेकण्डरी स्कूल नम्बर एक एवं दो धोबिया टंकी, टीआरएस कालेज, शासकीय कन्या हाईस्कूल पाण्डेन टोला, शासकीय पीके कन्या हायर सेकण्डरी सीएम राइज स्कूल, शासकीय एसके कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल फोर्ट रोड शामिल हैं। शासकीय मार्तण्ड हायर सेकण्डरी स्कूल क्रमांक तीन, शासकीय मार्तण्ड स्कूल क्रमांक दो यूनिवर्सिटी रोड, शासकीय कन्या महाविद्यालय, शासकीय माडल साइंस कालेज, शासकीय मार्तण्ड उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक एक तथा शासकीय इंजीनियरिंग कालेज रीवा शामिल हैं। इन संस्थाओं के प्राचार्यों को प्रारंभिक परीक्षा संपन्न कराने के लिए केन्द्राध्यक्ष बनाया गया है।

संयुक्त कलेक्टर ने बताया कि सभी केन्द्रों में परीक्षार्थियों की निर्धारित संख्या के अनुसार परीक्षार्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था की गयी है। परीक्षा केन्द्र में पेयजल, साफ-सफाई तथा बिजली की नियमित आपूर्ति की भी व्यवस्था रहेगी। परीक्षा केन्द्र में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रारंभिक परीक्षा को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किये गये हैं।

दिव्यांगजन की सलाह से बनाया जाएगा सुगम वातावरण

रीवा। दिव्यांगजनों को सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों, मॉल और सिनोमाघरों में उनकी सुविधानुसार किस तरह का सुगम्य वातावरण होना चाहिए। इस निर्णय में उनकी सलाह महत्वपूर्ण होगी। इसके लिये प्रदेश के प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर्स के सहयोग से दिव्यांगजन की सुगम्य यात्रा का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक जिले में चुनिंदा दिव्यांगजन को शासन व्यवस्था के अनुसार वाहन उपलब्ध कराकर सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं आयुक्त निःशक्तजन श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि सरकार के सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को सुगम्य वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक जिले में सुगम्य यात्रा निकाली जाएगी। इसमें दिव्यांगजन को सरकारी भवनों, कलेक्ट्रेट, तहसील, नगर पालिका, नगर निगम सहित अन्य शासकीय कार्यालयों, सिनेमा घरों, आम पर्यटन स्थलों, पुस्तकालयों, बाजारों सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों पर दिव्यांगजन उपलब्ध साधन सुविधाओं की जमीन हकीकत को देखेंगे। इन स्थानों के भ्रमण के बाद दिव्यांगजनों द्वारा दी गई सलाह, सूचनाओं का संकलन किया जायेगा, जिनका उपयोग भारत सरकार द्वारा भविष्य में बनाई जाने वाली शहरी विकास नीतियों, डिजाइनिंग एवं विकासात्मक रणनीतियों में शामिल किया जायेगा, जो भविष्य में इस वर्ग के लिये अनुकूल वातावरण निर्माण में सहायक होगी। यात्रा के फोटो यस टू एक्सेस एप पर अपलोड कर सकेंगे। प्रमुख सचिव ने बताया कि यह सुगम्य यात्राएं प्रत्येक जिले में 2-4 दिन तक आयोजित की जायेगी।

पेंशन प्रकरणों की संभागीय समीक्षा बैठक 18 फरवरी को

रीवा। कमिश्नर रीवा संभाग बीएस जामोद की अध्यक्षता में 18 फरवरी को संभागीय पेंशन प्रकरणों की समीक्षा की जायेगी। कमिश्नर ने निर्देश दिये हैं कि लंबित पेंशन प्रकरणों को पेंशन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुतकर निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि जिन विभागों के संभागीय व जिला अधिकारियों द्वारा उनके विभागीय पेंशन प्रकरण निराकरण नहीं होगे उन्हें जिम्मेदार मानकर कार्यवाही की जायेगी।

घर बैठे बना सकते हैं बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड

मोबाइल फोन उठाइए, अपना आयुष्मान कार्ड बनाइए

रीवा। आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र व्यक्तियों को आयुष्मान कार्ड जारी किए गए हैं। इसकी सहायता से एक वर्ष की अवधि में पाँच लाख रुपए तक के उपचार की सहायता दी जाती है। शासन द्वारा 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। इसके लिए आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को आधार माना गया है। इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे ने बताया कि जिले में 70 साल से अधिक आयु के एक लाख 45 हजार व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए शहरी क्षेत्र के सभी वार्डों, ग्राम पंचायतों तथा सभी अस्पतालों एवं संजीवनी केन्द्रों में शिविर लगाए जा रहे हैं। आशा कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, एएनएम तथा सीएचओ द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुक्त नगर निगम ने बताया कि घर बैठे भी आयुष्मान कार्ड बनाने की सुविधा है। इसके लिए बस एन्ड्रायॅड फोन की आवश्यकता होगी। अपने फोन पर आयुष्मान एप डाउनलोड कर लें। इसमें निर्धारित विवरण दर्ज कर दें। आधार कार्ड और समग्र आईडी की जानकारी दर्ज करने के बाद दर्ज किए गए मोबाइल नम्बर पर ओटीपी आएगा। इसे दर्ज करने पर आयुष्मान कार्ड डाउनलोड हो जाएगा। यदि ओटीपी दर्ज करने के बाद किसी तरह का एरर दिखाई देता है तो पुनः क्लिक करके ओटीपी प्राप्त करें। इसमें पंजीयन होने के बाद आयुष्मान कार्ड जनरेट हो जाएगा। इसे आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है।

जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित

रीवा। राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 16 फरवरी को आयोजित की जा रही है। परीक्षा आयोजन में किसी भी प्रकार की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कलेक्टर कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07662-255143 है। यह कंट्रोल रूम 16 फरवरी को प्रातः 8 बजे से शाम 7 बजे तक प्रभावशील रहेगा। कंट्रोल रूम में प्रफुल्ल मिश्रा डाटा इंट्री आपरेटर, दीपक गुप्ता कार्यालय सहायक, शिवपूजन सिंह डाटा इंट्री आपरेटर, लक्ष्मीनारायण श्रीवास्तव सहायक वर्ग दो, नरेन्द्र कुमार तिवारी सहायक वर्ग-2 तथा मनोज कुमार वर्मा भृत्य की ड्यूटी लगायी गयी है।

प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सहयोजना के तहत लगाये जा रहे हैं शिविर

रीवा। प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सहयोजना के व्यापक प्रचार प्रसार तथा योजना में अधिक से अधिक लोगों को पंजीकृत करने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। उप संचालक मत्स्य डॉ. अंजना सिंह से प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 फरवरी तक शिविरों में ऋण सुविधा, जलीय कृषि बीमा और निष्पादन अनुदान के लाभ हेतु आवेदन स्वीकृत किये जायेंगे। उन्होंने मछुआरों, मत्स्य पालकों, सूक्ष्म और लघु उद्यामों के हितग्राहियों से शिविर में पहुंचकर लाभ लेने का अनुरोध किया है।

ननि द्वारा टैम्पो-टैक्सी स्टैण्ड फीस एवं व्यावसायिक वाहनों से की जा रही शुल्क वसूली

रीवा। नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रान्तर्गत टेम्पो टैक्सी स्टैण्ड फीस वसूली का ठेकेदार को दिया गया अधिकार दिनांक 13.02.2025 को संयाकाल 06:00 बजे से उच्च न्यायालय के आदेशानुसार समाप्त किया जा चुका है। दिनांक 14.02.2025 से नगर पालिक निगम रीवा के कर्मचारियों द्वारा विभागीय रूप से टैम्पो-टैक्सी स्टैण्ड फीस एवं व्यावसायिक वाहनों से शुल्क वसूली की जा रही है। ढेकहा, निपनिया, बड़ी पुल पर श्री विनोद तिवारी (माली), रतहरा में श्री इनामी लाल बंसल (सिपाही), धोबिया टंकी मे श्री पुष्पेन्द्र तिवारी (विनियमित कर्मचारी) एवं सिरमौर चौराहा में श्री द्वारिका यादव (सुरक्षा गार्ड) की ड्यूटी लगाई गई है। वसूली कर्मचारियों को निर्देश दिये गये है कि शासन के आदेशानुसार चलते वाहनों से वसूली नहीं की जावेगी, सभी वसूली कर्मचारी अपना आदेश एवं परिचय-पत्र साथ में रखें, टैम्पो-टैक्सी स्टैण्ड फीस वसूली रू. 5/- प्रति वाहन, व्यावसायिक वाहन से मिनी ट्रक से रू. 10/- प्रति वाहन, ट्रक से रू. 20/- प्रतिवाहन शुल्क देय है। यह शुल्क नगर निगम के परिचय पत्र लागये हुऐ कर्मचारी को देय होगा, उपरोक्त स्थानो में पदस्त चार कर्मचारियों के अतिरिक्त अन्य कोई कर्मचारी नगर पालिक निगम रीवा द्वारा नही लगाये गये है तथा शहर के गड्डी रोड , चिरहुला मंदिर रोड, कुटुलिया, बनकुईया रोड, विश्वविद्यालय रोड, बोदा रोड पर किसी भी प्रकार की टेम्पो टैक्सी एवं व्यवसायिक वाहनों से वसूली हेतु किसी कर्मचारी को नही लगया गया है। नगर निगम प्रशासन द्वारा टेम्पो टैक्सी एवं व्यवसायिक वाहन चालको से अपील की गई है कि उपरोक्त निर्धारित स्थानों पर नगर निगम कर्मचारियों को ही शुल्क देकर रसीद प्राप्त करे अन्य किसी को नही। यदि किसी प्रकार की अवैध वसूली होती है तो उसकी सूचना पुलिस कन्ट्रोल रुम, 100 डायल तथा नगर पालिक निगम रीवा के सहायक राजस्व अधिकारी श्री रावेन्द्र सिंह के मो0नं0 9893633318 श्री नीलेश चतुर्वेदी के मो0नं0 9827237020 और श्री रविप्रकाश मिश्रा के मो0नं0 9827040572 पर सूचना दी जा सकती है।

नापतौल विभाग पर व्यापारियों का आरोप

सत्यापन के नाम पर वसूली का लगाया इल्ज़ाम

रीवा। रीवा में नापतौल विभाग के खिलाफ व्यापारियों का गुस्सा फूट पड़ा है। व्यापारियों का आरोप है कि विभाग द्वारा तौल कांटों के सत्यापन के नाम पर मनमानी रूप से शुल्क वसूला जा रहा है। गुरुवार को अमहिया गल्ला मंडी के पास व्यापारियों ने विभाग के कर्मचारियों और सत्यापनकर्ताओं के खिलाफ प्रदर्शन किया।अतिरिक्त शुल्क की वसूली- व्यापारियों का कहना है कि सत्यापन और सील लगाने के लिए रु. 200 का शुल्क तो ठीक है, लेकिन इसके अलावा रु. 600-रु. 700 अतिरिक्त लिए जा रहे हैं। कांटा खराब होने पर मनमानी- अगर कांटा खराब हो जाता है और उसे ठीक कराने के लिए विभाग को बुलाया जाता है, तो मनमानी रूप से पैसे लिए जाते हैं। व्यापारियों की मांग है कि शुल्क वसूली की प्रक्रिया पारदर्शी हो और सभी शुल्कों की रसीद दी जाए।

पात्र अनाधिकृत कॉलोनियों में शिविरों का आयोजन सोमवार से प्रारंभ, रहवासियों को मिलेगा सीधा लाभ : निगम आयुक्त

रीवा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार अनाधिकृत पात्र कॉलोनियों में रहने वाले नागरिकों को राहत प्रदान करने हेतु विकास शुल्क जमा करने व भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन के कॉलोनी डेवलपमेंट रूल 2021 के तहत वर्ष 2016 के पूर्व अस्तित्व आयी कॉलोनियों को वैधता प्रदान करने एवं नागरिकों को सुविधाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह शिविर दिनांक 17 फरवरी 2025 से प्रारंभ किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि सोमवार से शिविर का आयोजन प्रातः 10:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक किया जाएगा। यह शिविर जोन क्रमांक 01 से प्रारंभ होकर अन्य जोनों की कॉलोनियों में भी आयोजित किए जाएँगे, जिससे लगभग 500 परिवारों को लाभ मिलेगा। नगर निगम जोन क्रमांक 01 के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि शिविर निपानिया, पड़रा क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, जहाँ निम्नलिखित कॉलोनियों के रहवासियों को लाभ मिलेगा जिसमें 17 फरवरी को कीर्ति क्रांति प्रेस मो? के पास श्री आरएन शर्मा के घर के सामने, वार्ड 02 शारदा कॉलोनी, कौशल्या कॉलोनी, मौर्या कॉलोनी, एवं वार्ड 03 के कमलेश्वर कॉलोनी हेतु शिविर लगाया जाएगा। 18 फरवरी को दीनदयाल धाम में वार्ड 03 संतोष कॉलोनी, बृजमोहन कॉलोनी, वंश गोपाल कॉलोनी, पड़रा हेतु शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार अलग अलग दिन अन्य कॉलोनी हेतु शिविर लगाए जाएंगे जिसकी सूचना निरन्तर मुनादी करा कर रहवासियों को दी जाएगी। शिविर का उद्देश्य निम्न लाभ प्रदान किए जाना है जिनमें वैधीकरण की जा रही कॉलोनी/ कॉलोनियों में अधिभोगियों से डिमांड सुधार सुझाव अनुरूप त्वरित सुधार कर राशि जमा करने का कार्य। अधोसंरचना विकास प्रस्ताव (सड़क /नाली/ पुलिया) का स्थानीय जन एवं प्रतिनिधियों के सहभागिता से स्थलीय परीक्षण एवं प्रस्ताव तैयार करने का कार्य। उक्त कॉलोनी/ कालोनियों में जल प्रदाय/ सीवर कार्य से संबंधित आवश्यक कार्यों का आकलन। अवैध कॉलोनियों के बाधित भवन अनुज्ञा आवेदन पर अनुज्ञा जारी किये जाने का कार्य।

नगर निगम आयुक्त ने अपील की है कि अधिक से अधिक पात्र नागरिक इस शिविर का लाभ उठाएँ और अपने भवन अनुज्ञा पास कराने एवं विकास शुल्क जमा करने की प्रक्रिया पूरी करें।

सैनिक स्कूल प्रिंसिपल ने पूरी क्लास को कर दिया सस्पेंड

रीवा। मध्यप्रदेश के रीवा जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां स्कूल प्रबंधन ने एक साथ 12वीं कक्षा के 72 छात्रों को सस्पेंड कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद बड़ी संख्या में छात्र सड़क पर उतर आए हैं।

दरअसल, कुछ छात्र स्कूल परिसर में खेल रहे थे। इसी बीच एक शिक्षक की कार में गेंद लग गई, जिससे शीशा टूट गया। इस दौरान शिक्षक ने गलती करने वाले छात्रों के नाम पूछे तो किसी ने नहीं बताया। इसकी वजह से शिक्षक ने प्राचार्य से शिकायत की और पूरे क्लास के छात्रों को सस्पेंड कर दिया गया।

छात्रों ने प्रशासन से की शिकायत

सभी निलंबित छात्र कलेक्ट्रेट पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई है।

छात्रा ने कहा कि स्कूल प्रबंधन द्वारा एक पक्षीय कार्रवाई की गई है। कुछ ऐसे भी छात्र हैं, जिनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। छात्रों का आरोप है कि उनकी बात न तो प्रिंसिपल ने सुनी और न ही टीचर ने। एकतरफा आदेश सुनाते हुए सभी को स्कूल परिसर से बाहर निकाल दिया गया। ऐसे में छात्रों का स्कूल प्रबंधन से सवाल है कि कई छात्र जो बाहर राज्यों से हैं। वह कहां पर जाएंगे।

इस पूरे पर अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी का कहना है कि कुछ छात्र शिकायत लेकर आए थे कि बिना गलती के उन्हें निलंबित कर गेट के बाहर कर दिया गया है। छात्रों की परीक्षा भी होनी है, इसलिए स्कूल प्रबंधन से संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे बात अभी नहीं हो पाई है। चर्चा कर छात्रों को परीक्षा में शामिल करने के लिए कहा जाएगा ताकि उनका नुकसान नहीं हो।

26 फरवरी छात्रों के बोर्ड एग्जाम

छात्रों की बोर्ड परीक्षाएं 26 फरवरी से होनी है। ऐसे में हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को सस्पेंड कर गेट से बाहर निकाले जाने पर उनकी परीक्षा पर असर हो सकता है। छात्रों ने इस संबंध में शिक्षकों से जानकारी चाही थी तो कहा गया कि वह हास्टल में नहीं रहेंगे। बाहर से आकर परीक्षा दे सकेंगे।

स्कूल प्रबंधन ने साधी चुप्पी

छात्रों को निलंबित कर गेट से बाहर निकाले जाने के संबंध में सैनिक स्कूल के प्राचार्य से संपर्क किया गया लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। स्कूल के दूसरे अधिकारियों ने सैनिक सेवा के प्रोटोकाल का हवाला देते हुए कहा कि प्राचार्य बात नहीं करेंगे। साथ ही यह भी स्कूल के शिक्षकों ने बताया कि जिन छात्रों को निलंबित किया गया है, वह आखिरी वर्ष के छात्र हैं। उन्हें कुछ दिन के बाद पढ़ाई पूरी कर चले जाना है, इसलिए वह कई दिनों से जूनियर छात्रों के साथ अभद्रता कर रहे थे। साथ ही कई शिक्षकों के साथ कहासुनी कर चुके हैं। शिक्षकों के वाहनों में तोडफ़ोड़ भी की। अनुशासन के नियमों का उल्लंघन किए जाने पर स्कूल प्रबंधन ने कार्रवाई की है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833